

घाटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

 www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर, वर्ष 22, अंक - 352- सोमवार 26- अक्टूबर 2026, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये** RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050, डाक पंजीकरण. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘मन की बात’ के 12 साल पूरे... त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदें, आज बिहार का मखाना ग्रीस पहुंच रहा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर 2026। पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने ‘मन की बात’ के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा। पीएम ने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले विजयादशमी के पानव पर्व पर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तीर्थ यात्रा के समान है। पीएम ने कहा कि 4 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद जी की 150वीं जयंती है। आर्य समाज और गदर पार्टी से जुड़े भाई परमानंद जी ने दक्षिण अफ्रीका व गुयाना में कार्य किया और आजादी की लड़ाई में काला पानी की सजा काटी। पीएम मोदी ने कहा...परमानंद जी ने भगत सिंह को भी पढ़ाया था।



अंगदान की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका

मोदी ने कहा जो लोग अपने जीवन के बाद अंगदान करके जाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम की शिवानी जी का सामने आया है। शिवानी जी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई थी। इसके बावजूद उनके परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। यह समाज और देश में एक बड़ा संदेश गया है।

खादी की विक्री में 28 करोड़ पहुंची

मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की विक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है।

खादी की विक्री में 28 करोड़ पहुंची

मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की विक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है।

देशभर में लगभग 1 लाख

90 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर

पीएम ने कहा कि एक समय था जब डॉक्टर को दिखाने और जांच कराने में भी लोगों का काफी समय लग जाता था। लेकिन आज देशभर में लगभग 1 लाख 90 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर लोगों के जीवन में नई-नई सुविधाएं लेकर आए हैं।

पारंपरिक खेलों पुनर्जीवित

पीएम मोदी ने कहा पंजाब में ‘खेती विरासत मिशन’ नाम की संस्था ने ऑर्गेनिक फार्मिंग और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। इस संस्था की टीम पंजाब के मालवा क्षेत्र में कपास की प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहती थी।

काशी के नमो घाट से प्रधानमंत्री ने देखा ‘विंग्स ओवर गंगा’ एयर शो, 100 विमानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

वाराणसी, 25 अक्टूबर 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट से भारतीय वायुसेना के शीर्ष, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नजारा देखा। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित ‘विंग्स ओवर गंगा’ के तीसरे दिन ‘एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026’ में 100 विमानों और हेलीकॉप्टरों ने गंगा के ऊपर हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाए। लड़ाकू विमानों की गर्जना, तेज रफ्तार और रोमांचक फॉर्मेशन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। गंगा के आसमान में भारतीय वायुसेना की ताकत का प्रदर्शन हुआ तो घाटों और तटों पर मौजूद लोगों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया। पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। दर्शक ‘भारत माता की जय’, ‘हर-हर महादेव’, ‘वंदे मातरम’ और ‘मोदी-मोदी’ के जयकारे लगाते रहे। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने



तालियां बजाकर वायुसेना के जवांजों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया और इशारे से ‘जय हिंद’ का संदेश भी दिया। पुष्पवर्षा और ‘नमो-नमो’ के नारों के बीच प्रधानमंत्री मुस्कराते नजर आए। वह बीच-बीच में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत भी करते दिखे। हवाई प्रदर्शन में सुबोई-30 एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारांग एरोबेटिक टीमों ने भी अपने शानदार करतबों से दर्शकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही, तेज रफ्तार, सटीक तालमेल और आकर्षक फॉर्मेशन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विमानों की तकनीकी विशेषताओं और सामरिक क्षमताओं पर आधारित कमेंट्री ने प्रदर्शन को और रोचक बनाया। इससे दर्शकों को भारतीय वायुसेना की कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक और परिचालन क्षमता के बारे में जानने का अवसर मिला। एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन और सहायक विमानों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। हेलीकॉप्टर बेड़े में एलसीएच, चिनुक, एएलएच मार्क-III, एएलएच मार्क-IV, अपाचे, चेतक, कामोव-31 और एमआई-17 वी5 शामिल रहे।

दो बड़े संघर्षों की कीमत चुका रही है दुनिया, भारत की आवाज है वैश्विक भावना : जयशंकर

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर 2026। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को कहा है कि दुनिया आज दो बड़े संघर्षों-यूक्रेन और पश्चिम एशिया में उलझी है और इसकी सबसे बड़ी कीमत वे समाज और अर्थव्यवस्थाएं चुका रही हैं जिनका इन संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में हम असहज दर्शक बनकर नहीं रह सकते। भारत संवाद और कूटनीति पर बल देकर असल में वैश्विक भावना को व्यक्त करता है और इस दिशा में अन्य साझेदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर है। चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आज कहा कि जटिल अपूर्ण श्रृंखलाओं, वैश्वीकृत बाजारों और साझा संसाधनों के युग में दुनिया आधी समुद्र और आधी वंचित रहकर प्रगति नहीं कर सकती। यह निरंतर अस्थिरता बनाये रखने का ही माध्यम है। मंत्री ने अपने वक्तव्य में आतंकवाद को शांति के लिए घातक खतरा बताया और कहा कि कुछ देश आज भी राजनीतिक गणना को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की नीति के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल अस्वीकार्य है। इसे कभी भी उचित नहीं उठारया जा सकता। जयशंकर ने कहा कि मानवता में प्रतिस्पर्धा और सहयोग को लेकर हमेशा बहस रही है। वैश्विक स्तर पर यह देशों के आपसी संबंधों में दिखाई देती है। आठ दशक पहले संयुक्त राष्ट्र दिवस की स्थापना ने सामूहिक सहयोग की भावना को अभिव्यक्त किया। संयुक्त राष्ट्र दिवस (24 अक्टूबर) पर एकजुटता को बढ़ावा देना जरूरी है क्योंकि वैश्विक चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर विवाद : कांग्रेस का सवाल...जानकारी क्यों छिपा रहा चुनाव आयोग लगाए कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर 2026। कांग्रेस ने रविवार को चुनाव आयोग पर विवादित ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर से जुड़ी जानकारी छिपाने का आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि निर्वाचन आयोग बार-बार इस जानकारी को सार्वजनिक करने से इनकार कर रहा है, क्योंकि इससे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित तौर पर हुई बड़े पैमाने की और केंद्रीकृत गड़बड़ियों की सच्चाई सामने आ सकती है। विपक्षी दल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की अपनी मांग भी दोहराई। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर के नाम और उसके संस्करण से जुड़ी जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

जयराम रमेश ने पूछे सवाल...

जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा, ‘भारतीय निर्वाचन आयोग विवादित ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर से जुड़ी जानकारी लगातार छिपा रहा है। यह सॉफ्टवेयर एसआईआर को विवादित प्रक्रिया के केंद्र में है और इसका इस्तेमाल मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर को केंद्रीकृत तरीके से अंजाम देने के लिए किया गया है।’ उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा, भारतीयों को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के खुलासे से यह क्यों पता चला कि ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर उसी ने विकसित किया है निर्वाचन आयोग ने इस जानकारी का पारदर्शी तरीके से खुलासा क्यों नहीं किया।

ज्ञानेश कुमार दें तुरंत इस्तीफा : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता ने कहा, ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर और निर्वाचन आयोग का आईटी विभाग उन मुद्दों में शामिल थे जिन पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कई आपत्तियां उठाई थीं। ये शिकायतें प्रशासमंत्रि के अधीन आने वाले कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) तक भी पहुंची थीं।

कोई लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं...ऑपरेशन सिंदूर में साबित किया दुश्मन की रणनीति के हिसाब से खुद को ढालना जरूरी : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर 2026। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इससे साबित हुआ कि वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान ने एक बार फिर दिखाया कि देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका है। ऑपरेशन से एक सबक साफ है कि हमें हमेशा कई विकल्प अपने पास रखने चाहिए और दुश्मन की रणनीति बदलने पर तेजी से खुद को उसके मुताबिक ढालने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने यह बात पीटीआई को दिए



इंटरव्यू में कही। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 टूरिस्ट की हत्या की गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र

बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।

खड़गे बोले...मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा पटना में ‘मोदी नहीं जाएंगे’ कहने वाले शख्स को पीटा, शाह बोले...खड़गे ने मर्यादाएं तार-तार कीं

पटना, 25 अक्टूबर 2026। पटना में रविवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में हंगामा हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बापू सभागार में मोदी सरकार और उनकी नीतियों पर बोल रहे थे। तभी कांग्रेस का एक कार्यकर्ता उत्कर बोला कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर खड़गे गुस्सा होकर बोले...मोदी क्या उसका बाप भी जाएंगे। यह बात उन्होंने 3 बार दोहराई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी, जिसने कहा था...मोदी नहीं जाने वाले। मल्लिकार्जुन खड़गे पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शाह बोले...कांग्रेस रोज़ अभद्रता की सीमाएं पार कर रही है...

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा...कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार को अपशब्द कहे हैं। कभी उनकी माताजी के विषय में अपशब्द कहे, कभी उन्हें ‘मौत का सौदागर’ कहा, तो कभी



‘चायवाला’ कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हर रोज अभद्रता की सीमाएं पार करती जा रही है।

किसे पीटा गया, वह कंग्रेस का कार्यकर्ता

मोदी नहीं जाएंगे, कहने पर जिस शख्स को पीटा गया। वह कांग्रेस का ही कार्यकर्ता है। उसका नाम संतोष है। पिटाई के दौरान वहां मौजूद पुलिस वालों ने उसे बचाया और बाहर ले गई। संतोष ने मीडिया से कहा...खड़गे उनकी बात समझ नहीं पाए। मैंने कहा था शांत बैठने से मोदी नहीं जाएंगे। राहुल समेत विपक्ष ने सभी बड़े नेताओं को यह बात समझनी होगी। मोदी तब ही जाएंगे, जब विद्रोह होगा।

बिहार : 13 बच्चों के दशकर्म में हिंसक झड़प, प्रशांत किशोर के सामने चले लाठी-डंडे, जदयू नेता का सिर फटा

वैशाली, 25 अक्टूबर 2026। वैशाली जिले के राधेपुर विधानसभा क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला में शनिवार को 13 बच्चों के दशकर्म कार्यक्रम के दौरान हिंसक झड़प हो गई। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की मौजूदगी में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में सतारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश सचिव अजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। बता दें कि बीते 13 अक्टूबर को राधेपुर में गंगा की सोती में नाव पलटने से 13 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इन्हीं बच्चों के दशकर्म का कार्यक्रम रविवार को रखा गया था।



कार्यक्रम में शामिल होने और पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए सबसे पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर गांव पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रशांत किशोर पीड़ित परिवारों को सात्वना दे रहे थे।

इसी दौरान स्थानीय लोगों के बीच किसी बात को लेकर तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि गांव के ही एक व्यक्ति और स्थानीय जदयू नेता के बीच कलह घुमनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने लगे।

पीएम मोदी ने ओडिशा में आरबीआई डेटा सेंटर का इन्ऑगरेशन किया मुंबई वाला खराब हुआ तो यह बैकअप देगा, बैंकिंग-पेमेंट सिस्टम नहीं रुकेंगे

भुवनेश्वर, 25 अक्टूबर 2026। पीएम मोदी ने रविवार को ओडिशा के खुर्दा जिले में बने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के दूसरे डेटा सेंटर का इन्ऑगरेशन किया। भुवनेश्वर के पास इम्फो बैली-II में 18.55 एकड़ में बना यह परिसर नवी मुंबई के आरबीआई के मुख्य डेटा सेंटर के डिजास्टर रिकवरी बैकअप के रूप में काम करेगा। अगर किसी प्राकृतिक आपदा, तबाही, हमले में मुंबई वाला डेटा सेंटर प्रभावित होता है तो ओडिशा सेंटर से बैकअप जारी रहेगा। जिससे देश के पूरे बैंकिंग और पेमेंट सिस्टम (यूपीआई, आरटीजीएस, एन ई एफ टी) में रुकावट नहीं आएगी।

भुवनेश्वर ने भारत को एक नया संस्थान दिया : मोदी



अब गर्वनर्स की आग्रह बदल रही है : मोदी

यह इस बात का प्रमाण है कि गर्वनर्स की अप्रोच कैसे बदल रही है क्यों बदल रही है। इसमें हमारा फोकस विकास को आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाना है।

पहले बड़े शहरों तक ही फोकस था : मोदी

लोगों को पहले लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। बड़े शहरों में यात्रा की सुविधा थी छोटे शहरों में फोकस नहीं था। गांवों में सड़क, बिजली, पानी जैसी चीजें भी चुनातीपूर्ण थीं।

हम गुड गवर्नर्स का मॉडल लेकर चले

मोदी ने कहा...हम गुड गवर्नर्स का मॉडल लेकर चले। भारत का संतुलित विकास हो, छोटे शहरों को अवसर मिले। हमारा लक्ष्य दूर दराज के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी देना, हर नागरिक को यह विश्वास दिलाना कि विकास की यात्रा में वह पीछे नहीं हटेगा।

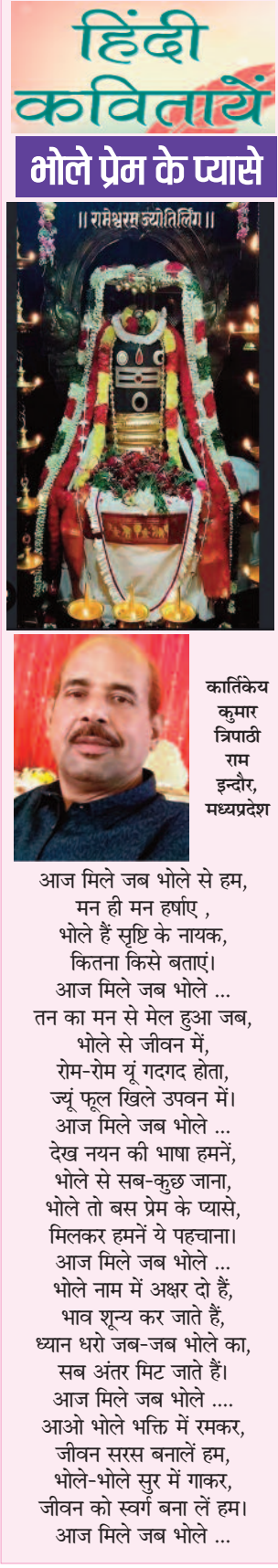
संपादकीय

बेलगाम फार्मा कंपनियां

फार्मा कंपनियों की अनैतिक गतिविधियां विश्व भर में चिंता का कारण हैं। इन कंपनियों के अनुचित तौर-तरीके भारत में भी चर्चा के केंद्र में आते रहे हैं। कुछ समय पहले एक याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट से फार्मा कंपनियों के अनैतिक आचरण पर रोक लगाने की जो मांग की गई थी, उसके चलते सरकार ने इन कंपनियों की मार्केटिंग संबंधी रीति-नीति तय करने के लिए तीन सदस्यों वाली समिति गठित करने का फैसला लिया। यह समिति दो माह में अपनी रिपोर्ट देगी।यह पहली बार नहीं,जब सुप्रीम कोर्ट ने फार्मा कंपनियों के उन तौर-तरीकों को गंभीरता से लिया है,जिनके चलते लोगों को महंगी दवाएं खरीदने के लिए बाध्य होना पड़ता है। कुछ ही समय पहले उसने सवाल किया था कि आखिर 27 सौ की किसी दवा की कीमत मरीज तक पहुंचते-पहुंचते 27 हजार की कैसे हो जाती है? सुप्रीम कोर्ट ने इसे डकैती की संज्ञा दी थी। इस डकैती के मूल में फार्मा कंपनियों के अनैतिक तरीके और उनकी बेलगाम मुनाफाखोरी है। इसमें कुछ डाक्टर,निजी अस्पताल भी भागीदार बनते हैं और इसकी कीमत चुकाते हैं आम लोग।

फार्मा कंपनियों के अनुचित-अनैतिक तरीकों पर रोक लगाने के लिए सरकार ने कुछ समय पहले दिशानिर्देश जारी किए थे,जैसे कि ये कंपनियां डाक्टरों को महंगे उपहार या नकदी नहीं दे सकतीं,मनोरंजन या सेमिनार के नाम पर देश-विदेश की सैर नहीं करा सकतीं। इसके अतिरिक्त दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय करने और आधिकारिक अनुमति के पहले किसी दवा का प्रचार न करने के भी निर्देश दिए गए थे,लेकिन इन निर्देशों का कोई असर नहीं हुआ।

कुछ डाक्टरों-निजी अस्पतालों और फार्मा कंपनियों का अनैतिक गठजोड़ टूटा नहीं। इसके नतीजे में जनैरिक दवाओं का अपेक्षित प्रचार-प्रसार भी नहीं हो पाया। इन सबका दुष्परिणाम आम लोग उठा रहे हैं। वे स्वास्थ्य रक्षा के लिए डाक्टरों की लिखी महंगी दवा खरीदते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वह दवा उनकी सेहत में सुधार करे ही। कई बार ब्रांडेड यानी महंगी दवा का मतलब अच्छी गुणवत्ता वाली दवा नहीं भी होता। इससे खराब बात और कोई नहीं हो सकती कि फार्मा कंपनियों की अनैतिकता के चलते लोगों की जेब तो हल्की हो ही, उनकी सेहत भी न सुधरे। यह एक तथ्य है कि अपने देश में प्रायः अनेक दवाओं की गुणवत्ता दोषम दर्जे की पाई जाती है। इसका मतलब है कि जिन नियामक-निगरानी संस्थाओं पर दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और साथ ही उनके मूल्यों का उचित निर्धारण करने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही ढंग से नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में जो समिति गठित होने जा रही है,उसकी सिफारिशों को वैधानिक रूप दिया जाए,ताकि फार्मा कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगे।



मामला अनुशासन का था। नए डिजिटल रेलवे सुधारों के तहत ट्रेक की गश्त करने वाले हर कर्मचारी के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया था कि वह हर तीस मिनट पर पटरी के बीचों-बीच खड़े होकर ऐप पर अपनी फोटो अपलोड करें,ताकि साबित हो सके कि वे काम से नहीं रहा हैं।हदय्य और रोमांच इस बात का था कि किलोमीटर 312 के उस अंधेरे,पथरीले घुमाव पर क्या वह डिजिटल सिग्नल समय पर पकड़ में आएगा?पहलड़ी मोड़ पर कड़ाके की ठंड और घना कोहरा छाया हुआ था। अड़तालीस साल का शंकर अपनी भारी लोहे की किट, भारी गैरवॉश और टॉच संपाले पटरियों पर चल रहा था। उसका बदन पसीने से तर था।शंकर की मोबाइल स्क्रीन पर उल्टी गिनती चल रही थी। स्क्रीन पर गोल चकरी घूम रही थी-‘कमजोर नेटवर्क! कृपया खुले स्थान पर जाएं।’ यार,तुमने कभी सोचा है कि जब कोई



गरीब अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए किसी मशीन के सामने गिड़गिड़ाता है, तो तकनीक कितनी अंधी हो जाती है?शंकर का वेतन मा कूड़ा सी रुपये था, जिसमें से अगले महीने उसकी बेटी आरती की नर्सिंग कॉलेज की फीस जानी थी। अगर आज वे भी ‘रेड मार्क’ ऐप पर लग गया,तो पूरा हाजिरी भत्ता कट जाता.उस पिछले साल वादा किया गया था कि गैंगमैनों की जीपीएस वाला ‘रक्षक’ सुरक्षा बैंड दिया जाएगा,जो ट्रेन के आते ही कंपन करने लगता है। लेकिन उस सुरक्षा बैंड का रोलबल टेंडर पिछले अठारह महीनों से ग्लेवर् बोर्ड की फाइलों में अटका पड़ा था क्योंकि दो विदेशी कंपनियों के बीच कमीशन का विवाद सुलझ नहीं पाया था।शंकर नेटवर्क की तलाश में उस ऊंचे लोहे के पुल की तरफ बढ़ा, जहां मोबाइल का एक खंभा दिखता था। टाइमर पर सिर्फ चालीस सेकंड बचे थे।



लापरवाही के कारण दुर्घटना



कोई वाह-वाह कर उठता। राज का ओजस्वी भाषण जहाँ सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूँजा देता,वहीं अंजुम की मखमली आवाज़ में गाए गए गीत-संगीत के कार्यक्रम माहौल में मिठास घोल देते थे। फंक्शन के बाद शाम को उसी पीपल के पेड़ की छाँव में बैठकर दोनों घंटों बातें करते,सपनों के ताने-बाने बुनते और चाय की चुस्कियों के साथ भविष्य की योजनाएँ बनाते। देखते ही देखते बी.एड. का अंतिम वर्ष भी पूरा होने को आया। फेयरवेल का दिन था। चारों तरफ खुशी और विदाई के गम का मिला-जुला माहौल था। लेकिन राज और अंजुम के दिलों में एक अजीब सी हलचल थी। राज,जो स्वभाव से थोड़ा शर्मीला था,कभी अंजुम से अपने प्यार का सीधा इज़हार नहीं कर पाया था।

वही पीपल का पेड़,जहाँ वे अक्सर बैठे करते थे, आज बहुत उदास लग रहा था। अंजुम की आँखें नम थीं। उसने अपनी भराई हुई आवाज़ में, काँपते होंठों से पूछा,क्या अब हम कभी नहीं मिलेंगे,राज? क्या आज भी तुम मुझसे कुछ कहना नहीं चाहते? राज ने भारी मन से अपनी जेब से अपनी कागज के हाथ में थमा दी। उस डायरी के पन्नों पर अंजुम की हँसो, उसकी बातें पढ़ाई तक सीमित नहीं थी, यह उनके दिल की जुबान बन चुकी थी।

पढ़ाई के अलावा स्पोर्ट्स रूम में टेबल टेनिस के मैच उनकी नजदीकियों की गवाही देते। जब भी दोनों के बीच टेबल टेनिस का मुकाबला होता,तो टेबल के आर-पार गेंद से ज्यादा उनकी हँसी और मीठी नोक-झोंक उड़ती थी। राज अक्सर अंजुम को जिताने के लिए जानबूझकर आसान शॉट छोड़ दिया सा करता था,और अंजुम उसकी इस चालाकी को समझकर मंद-मंद मुस्कुरा देती। कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वार्षिक फंक्शन में दोनों की जोड़ी छ जताती थी। नाटक और नाटकों के मंचन में जब दोनों किदार निभाते,तो मंच पर उनकी अदाकारी देखकर हर

कहीं और तय कर दिया है...उफ़, हमारे मुकद्दर में शायद यही दूरी लिखी थी। यह कहकर अंजुम वहीं से रोते हुए चली गई,और राज सन्न सा उस पेड़ के सहारे खड़ा रह गया। वक्त बीतता गया। दोनों अपने-अपने रास्तों पर बढ़ गए। लेकिन नियति ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था। अंजुम के घरवाले जिस परिवार में उसका रिश्ता तय कर चुके थे,वहीं शादी की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही थीं। लेकिन शादी से महज कुछ हफ्ते पहले एक बहुत बड़ा मोड़ आया। अंजुम को पता चला कि जिस लड़के से उसकी शादी तय हुई है, वह और उसका परिवार दहेज के लालची हैं और वे अंजुम की पढ़ाई और करियर से सख्त खिलाफ हैं। अंजुम ने जब इस बात का विरोध किया, तो उन्होंने शादी तोड़ने की धमकी दी। इस हदसे ने अंजुम के परिवार की आँखें खोल दीं। अंजुम के माता-पिता को अहसास हुआ कि वे अपनी बेटी को गुलत जगह सौंपने जा रहे थे। उन्होंने तुरंत वह रिश्ता खुद ही तोड़ दिया। इस धाँधे और मानसिक तनाव से उबरने के बाद अंजुम ने अपना पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर लगाया और उच्च शिक्षा हासिल करके एक डिग्री कॉलेज में प्रोफ़ेसर बन गईं।

दूसरी तरफ़,राज ने अपने दिल के दर्द को अपनी मेहनत में बदल दिया। उसने दिन-रात पढ़ाई की,प्रतियोगी परीक्षाएँ पास कीं और उसी शहर की एक जानी-मानी यूनिवर्सिटी में अंजुम का पद हासिल कर लिया। जिंदगी के हर सबक में तुम्हारा साथ चाहता हूँ। क्या तुम मेरी हमसफ़र बनोगी? मैं बस से बेताब था,तुम तक अपने दिल की आवाज़ पहुँचाने के लिए...अंजुम ने रोते हुए डायरी अपने पास संपाल कर रख ली। उसकी आँखों में बेबसी के आँसू थे। उसने गहरी साँस ली और नम आँखों से राज की तरफ़ देखते हुए कहा...तुमने बहुत देर कर दी राज... मैं भी चाहकर अपनी जुबान की पहली जुबिश न दे सकी। लेकिन तुमने भी कभी मुझसे खुलकर इज़हार-वफ़ा नहीं किया। मेरे घर वालों ने अब मेरा रिश्ता

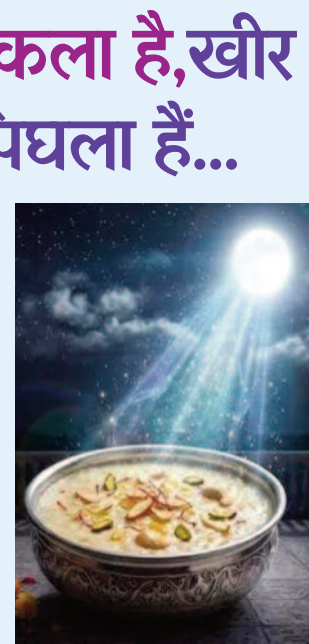
चाँद फिर निकला है,खीर देख मन पिघला हैं...



चाँद पूर्णिमा की रात है। चाँद अपनी सोलह कलाओं के साथ आसमान में विराजमान है। धरती पर अमृत बरसने की मान्यता है और बाजार में धार्मिकता का पारा चढ़ा हुआ है। कहीं खीर चाँदनी में रखी जा रही है, तो कहीं भजन-कीर्तन के नाम पर लाउडसीकर चाँद से भी ऊँची आवाज़ में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। ऐसा लगता है कि चाँद को भी अपनी रोशनी फैलाने से पहले आयोजन समिति से अनुमति लेनी पड़ेगी! भारतीय संस्कृति में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है। अब उत्सव इस अमृत की प्रयोगशाला में तलाश कर रहा है और श्रद्धालु उसे खीर के कटोरे में खोज रहे हैं। दोनों की अपनी-अपनी रिसर्च है। फर्क बस इतना है कि वैज्ञानिक प्रमाण माँगते हैं और श्रद्धालु प्रसाद!

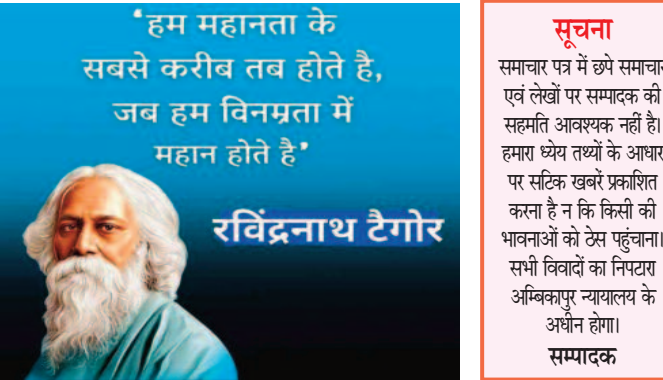
शरद पूर्णिमा आते ही धार्मिक आयोजनों की बहरा आ जाती है। मंदिरों में सजावट,भजन मंडलियों की तैयारी,प्रसाद की व्यवस्था और सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की बौछार शुरू हो जाती है। कुछ लोग चाँद की निहारने से अधिक मोबाइल के कैमरे को निहारते हैं। चंद्रमा आसमान में चमक रहा होता है और भक्तों की नजर इस बात पर होती है कि फोटो में चाँद के साथ उनका चेहरा कितना चमक रहा है। आजकल भक्ति भी डिजिटल हो गई है। पहले लोग भगवान के सामने हाथ जोड़ते थे,अब हाथ में मोबाइल जोड़ लेते हैं। पूजा पूरी हो या न हो, स्टेटस समय पर लगाने चाहिए। चाँदनी में रखी खीर से पहले उसकी तस्वीर इंटरनेट पर पहुँच जाती है। कैप्शन भी ऐसा कि मानो अमृत की पूरी खेप उन्हीं के घर उतरी हो। उधर धर्म के ठेकेदारों की अपनी चाँदनी है। त्योहार आते ही चंद्रा माँगने की परंपरा जाग उठती है। कोई पच्चीं लेकर दरवाजे पर खड़ा है, तो कोई फोन करके याद दिला रहा है कि इस बार आयोजन पहले से भव्य होना चाहिए। श्रद्धा का हिसाब भले मन में रखा जाए, लेकिन चंद का हिसाब रजिस्टर में बिल्बुल पक्का होना चाहिए। आखिर भक्ति में पारदर्शिता भी जरूरी है-कम से कम रसीद तक!

भजन-कीर्तन में भी प्रतियस्था कम नहीं है।



एक मंडली ने माइक लगाया तो दूसरी ने उससे ऊँचा स्पीकर लगा दिया। पहली मंडली ने भजन शुरू किया,दूसरी ने जबाब में ढोल बजा दिया। अब भगवान किसकी पुरन रहे हैं, यह तो वही जानें;लेकिन पड़ोसियों को दोनों की सुननी पड़ रही है। कुछ भक्तों की मान्यता है कि जितनी ऊँची आवाज़,उतनी ऊँची भक्ति। उन्हें कौन समझा कि भगवान बहरे नहीं हैं और पड़ोसियों के भी कान होते हैं! सबसे दिलचस्प दृश्य तब दिखाई देता है,जब लोग चंद्रमा की पूजा करके घर लौटते हैं और रास्ते में किसी गरीब, बुजुर्ग या जरूरतमंद को देखकर नजरें फेर लेते हैं। चाँद की शीतलता का गुणगान करने वालों के व्यवहार में गर्मी बनी रहती है। खीर का कटोरा चाँदनी के अमन्यता है, लेकिन भूख के कटोरे में दो चम्मच खीर डालने का समय नहीं है। वैसे शरद पूर्णिमा का असली संदेश तो प्रेम,शांति, सद्भाव और मन की पवित्रता है। लेकिन हमने हर पर्व को दिखावे की प्रतियोगिता बना दिया है। पूजा कितनी भव्य हुई, सजावट कितनी महँगी थी, कितने लोग आए और कितनी तस्वीरें वायरल हुईं— इन सबका हिसाब रखा जाता है। बस यह हिसाब रखना भूल जाते हैं कि त्योहार मनाने के बाद हमारे भीतर कितनी ईशानियत बची।

काश! इस शरद पूर्णिमा में चाँदनी केवल छतों पर रखी खीर पर ही नहीं, हमारे विचारों पर भी पड़े। अमृत केवल कटोरे में नहीं, हमारी वाणी में भी उतरे। भक्ति केवल आरती की थाली में नहीं, हमारे व्यवहार में भी दिखाई दे। क्योंकि चाँदनी में खीर डालने से अमृत मिले या न मिले, लेकिन किसी भूख को भोजन कराने से उसके चेहरे पर मुस्कान जरूर आ सकती है। चाँद की रोशनी उधार की होती है, मगर ईशानियत का उजाला अपना होता है!



सूचना

सम्पादक



28 अक्टूबर को चिरई जसवंतपुर में होगा काका लरंग साय की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों अनावरण प्रस्तावित,लरंग साय सेवा समिति ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के चिरई जसवंतपुर में 28 अक्टूबर को काका लरंग साय की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों अनावरण प्रस्तावित है। यह जानकारी लरंग साय सेवा समिति के अध्यक्ष रामलखन सिंह पैकरा ने अम्बिकापुर के सफ्टि ह्राउस में आयोजित प्रेसवार्ता में दी।

इस दौरान महापौर मंजूषा भगत,पार्षद मनोज गुप्ता सहित समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। रामलखन सिंह पैकरा ने कहा कि प्रतिमा अनावरण केवल एक आयोजन नहीं,बल्कि काका लरंग साय के व्यक्तित्व,विचारों,आदर्शों, संघर्ष,सेवा और सादगी को सम्मान देने का अवसर है। समिति का उद्देश्य उनकी जीवन यात्रा और योगदान से वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को परिचित कराना है, ताकि युवा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर सरगुजा के विकास में भागीदारी निभा सकें।

काका लरंग साय के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का उल्लेख करते हुए पैकरा ने बताया कि वे पीठ दौनदयाल उपाध्याय के विचारों के अग्रणी वाहक रहे।



रेल सुरिका के लिए उमई वी आवाज...

उन्होंने तीन बार विधायक,दो बार सांसद, केंद्रीय मंत्री और अविभाजित मध्यप्रदेश में राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारियां निभाईं। महत्वपूर्ण सार्वजनिक पदों पर रहने के बावजूद उनका जुड़ाव सरगुजा की जनजातीय संस्कृति,परंपराओं और अपनी जड़ों से बना रहा।

पैकरा ने वर्ष 2002 की एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि माओवादी हिंसा के दौर में सैकड़ों माओवादी एक रात काका लरंग साय के चिरई स्थित निवास पर पहुंच गए थे। समिति द्वारा साक्षा किए गए प्रसंग के अनुसार,घर का दरवाजा तोड़कर अंदर

पैकरा ने कहा कि अम्बिकापुर में रेल लाइन लाने के लिए काका लरंग साय ने लगातार प्रयास किए और रेलवे मंत्रालय के चक्कर लगाए। उन्होंने इस मांग को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समक्ष इस्तीफा देने तक की बात रखी थी। इससे क्षेत्र में रेल सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। उन्होंने बताया कि काका लरंग साय संत गहिरा गुरु के विचारों से भी प्रभावित थे। संत गहिरा गुरु ने जनजातीय समाज में शिक्षा के प्रसार और सामाजिक जागरूकता पर जोर दिया। काका लरंग साय ने उन्हें अपना गुरु स्वीकार किया और उनके विचारों के प्रचार-प्रसार में योगदान दिया। रामलखन सिंह पैकरा ने कहा कि लरंग साय सेवा समिति का प्रयास उनके सामाजिक योगदान और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। प्रतिमा अनावरण इसी उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पहुंचने पर उनके सादगीपूर्ण रहन-सहन को लौट गए। उन्होंने इसे काका लरंग साय के देखकर माओवादी वापस जंगल की ओर सरल व्यक्तित्व का उदाहरण बताया।



बलसेड़ी और कपसरा ने दर्ज की जीत,सुपर लीग में दिखाया दम संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में बलसेड़ी ने तालपारा को 2-0 और कपसरा ने कोटेया को 3-0 से हराया

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में खेली जा रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 के सुपर लीग मुकाबलों में बलसेड़ी और कपसरा की टीमों ने जीत दर्ज की। रविवार को दो मुकाबले खेले गए। पहला मैच बलसेड़ी और तालपारा के बीच हुआ। बलसेड़ी की टीम ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो गोल दोगे और 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास किए,लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। इस तरह बलसेड़ी ने 2-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। दूसरा मैच कपसरा और कोटेया के बीच खेला गया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने अच्छे

तालमेल के साथ खेलते हुए गोल करने के कई प्रयास किए,लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमों ने एक-दूसरे के गोलपोस्ट पर लगातार हमले किए। खेल के अंतिम समय में कपसरा ने लगातार तीन गोल दागकर 3-0 से जीत हासिल की। मैचों में दिनेश जायसवाल,विलसन,सचिन,अखलेश मिंज और रामबहादुर लांबा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस दौरान प्रतियोगिता के सचिव दीपक कुजूर और कमलेश क्रिसोस्टो भी उपस्थित रहे।

आज होंगे दो मुकाबले

प्रतियोगिता के अगले दिन सोमवार को दो मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला रेलवे कर्जों और परसोड़ी के बीच होगा, जबकि दूसरे मैच में सरगुजा इलेवन का सामना मेंड्रा की टीम से होगा।

श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग से दिया धर्म,प्रेम और सदाचार का संदेश

ललित नरेंद्र जी महाराज ने सुनाई भगवान के प्राकट्य की कथा,बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

शहर के राजेंद्र नगर स्थित आँकारेश्वर मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन रविवार को कथावाचक ललित नरेंद्र महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महाराज ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है,तब धर्म की स्थापना के लिए भगवान अवतार लेते हैं। मथुरा के राजा कंस को आकाशवाणी हुई थी कि देवकी का आठवां पुत्र उसका वध करेगा। इससे भयभीत कंस ने देवकी और वसुदेव को कारागार में बंद कर दिया। इसके बाद भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ। वसुदेव द्वारा बालक श्रीकृष्ण को यमुना पर कर गोकुल पहुंचाने के प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य को धैर्य, विश्वास और कर्तव्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम,करुणा, साहस और धर्म के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जन्मोत्सव की साधकता तभी है, जब मनुष्य अपने जीवन से अहंकार,क्रोध,लोभ और ईर्ष्या जैसी बुराइयों को दूर कर प्रेम, सेवा, करुणा और सद्भाव को अपनाए। समाज में शांति और



भाईचारा स्थापित करने के लिए भगवान के आदर्शों को अपने आचरण में उतारना आवश्यक है। कार्यक्रम में शिव मंदिर सेवा समिति के एमके नामदेव,रमेश केडिया,कृष्ण मुरारी श्रीवास्तव,लक्ष्मी प्रसाद मिश्रा,सौरभ बाजपेई,संजय शर्मा और नीरज नामदेव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कथा के आगामी क्रम में सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण के रुक्मिणी विवाह एवं ब्रज गमन प्रसंग का वर्णन किया जाएगा। आयोजक समिति ने श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर धर्मलाल प्राप्त करने की अपील की है।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त उत्साह,विभिन्न संभागों ने जीते पदक

बैडमिंटन,टेनिस,फुटबॉल और बास्केटबॉल में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन,खेल मैदान में उमड़ी दर्शकों की भीड़



—संवाददाता—
 अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। खिलाड़ियों के उत्साह और रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए खेल मैदान में खेल प्रेमियों एवं दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

बैडमिंटन में दुर्ग संभाग का दबदबा : बैडमिंटन प्रतियोगिता के 19 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग संभाग ने प्रथम,रायपुर ने द्वितीय,बिलासपुर ने तृतीय तथा सरगुजा ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। 19 वर्ष बालिका वर्ग में बस्तर प्रथम,दुर्ग द्वितीय,सरगुजा तृतीय और रायपुर चतुर्थ स्थान पर रहा।



इसी प्रकार 17 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग संभाग ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय, बिलासपुर ने तृतीय तथा सरगुजा ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग में दुर्ग प्रथम,रायपुर द्वितीय,सरगुजा तृतीय और बस्तर चतुर्थ स्थान पर रहा।

सॉफ्ट टेनिस में बिलासपुर और रायपुर के खिलाड़ियों ने मारी बाजी : सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 14 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय और दुर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय और सरगुजा तृतीय स्थान पर रहा। 17 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय और दुर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 17 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, बिलासपुर द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान पर रहा। 19 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, दुर्ग ने द्वितीय और रायपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। 19 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय और बिलासपुर तृतीय स्थान पर रहा।

फुटबॉल और बास्केटबॉल में भी दिखा रोमांच

फुटबॉल के 19 वर्ष बालक वर्ग में बस्तर संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,जबकि सरगुजा द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान पर रहा। बास्केटबॉल के 17 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर संभाग ने प्रथम, दुर्ग ने द्वितीय और सरगुजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 14 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर ने प्रथम,सरगुजा ने द्वितीय और बिलासपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो पक्षों में मारपीट,रिपोर्ट दर्ज

—संवाददाता—
 दरिमा/अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

थाना दरिमा क्षेत्र के ग्राम दरिमा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे साइड में लगाने की बात को लेकर दो मोहल्लों के युवकों में जमकर मारपीट हो गई। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में अपराध दर्ज कराया है। रितिक सिंह पिता नंदकुमार सिंह निवासी दरिमा ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 21 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे वह अपने दोस्तों शिव सिंह,ऋषभ सिंह,अविनाश सिंह, रविशंकर सिंह और गांव के अन्य लोगों के साथ ग्रामोण बैक चैक पर विसर्जन में शामिल होने गया था,तभी इंदरानगर मोहल्ला के दुर्गा पूजा समिति वाले राहुल नायक,अतुल नायक,संदीप नायक उर्फ डेल्ला,रोहन नायक, रोहित नायक,दीप नायक उर्फ खोला,अनमोल नायक और तुरना निवासी धन नायक व अन्य पहुंचे और गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। आरोप है कि सभी ने मिलकर रितिक और उसके दोस्तों विशंकर सिंह, रवि, अविनाश,ऋषभ के साथ हथ-मुक्का, लात से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए पिता नंदकुमार सिंह को भी पीट दिया। संदीप उर्फ डेल्ला लोहे का गंडसा दिखाकर मारने की धमकी दे रहा था,जबकि मुंह ढंककर अतुल नायक ने कड़ा से हमला किया। मारपीट में रितिक और उसके दोस्त रविशंकर को चोटें आई हैं।

दूसरे पक्ष ने भी करया एफआईआर

दूसरे पक्ष के पृथ्वी नायक उर्फ राहुल पिता जय कुमार नायक 24 साल निवासी इंदरानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि घटना दिनांक की रात 10 बजे ग्रामोण बैक चैक पर रितिक सिंह,ऋषभ सिंह,संदीप सिंह,ओमकार सिंह, मिलतु यादव,अभिषेक दास,रविशंकर सिंह ने डीजे साइड करने की बात पर गाली-गलौज कर हथ-मुक्का,डंडे से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए भाई अंकुश नायक,दीप नायक,अतुल नायक,रोहन नायक और भांजे सावन सागर को भी पीटा गया। दरिमा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर बीएनएस की धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

791 मामलों में आरोपी क्यों हुए दोषमुक्त? कोरिया में आईजी ने की संभाग स्तरीय समीक्षा

791 दोषमुक्ति प्रकरणों ने खड़े किए सवाल... आईजी ने विवेचना की खामियां दूर करने का दिया निर्देश

बलात्कार-पॉक्सो मामलों में साक्ष्य पर जोर,लंबित अपराधों के निराकरण के लिए आईजी सख्त

विवेचना से अभियोजन तक कमियां दूर करने की कवायद,कोरिया में जुटे सरगुजा रेंज के पुलिस अधिकारी

सरगुजा रेंज आईजी दीपक कुमार झा ने विवेचना और अभियोजन की खामियों पर जताई चिंता

—संवाददाता—
 बैकुण्ठपुर,25 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

न्यायालयों में आरोपियों की दोषमुक्ति के पीछे आखिर क्या कारण रहे और विवेचना से लेकर अभियोजन तक कहाँ कमियां रह गईं? इन सवालों को केंद्र में रखकर सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा ने 23 अक्टूबर को कोरिया जिले में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक की,जुलाई और अगस्त माह के दौरान सेशन न्यायालयों के 221 तथा लोअर न्यायालयों के 570,कुल 791 दोषमुक्ति प्रकरणों की जिलेवार समीक्षा की गई,बैठक में दोषमुक्ति के कारणों का विश्लेषण करते हुए विवेचना की गुणवत्ता,साक्ष्य संकलन और अभियोजन की प्रभावशीलता में सुधार पर जोर दिया गया,आईजी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में दोषमुक्ति के मामलों की नियमित समीक्षा की जाए और हर प्रकरण में यह पता लगाया जाए कि आरोपी को दोषमुक्त किए जाने के पीछे वास्तविक कारण क्या रहे, इन कारणों के आधार पर सुधारात्मक कदम उठाने और न्यायालयों में



दोषसिद्धि का प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में काम करने को कहा गया।

विवेचना की कमियां आरोपियों को न दिला दें लाभ—समीक्षा बैठक में ई-प्रॉसियर्यूशन के माध्यम से जिला अभियोजन अधिकारी को अभियोग पत्र पर्याप्त समय पहले उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, इसका उद्देश्य यह है कि अभियोजन पक्ष प्रकरण में मौजूद कमियों और त्रुटियों की समय रहते पहचान कर सके तथा न्यायालयीन विचारण के दौरान तकनीकी खामियों के कारण आरोपियों को लाभ मिलने की स्थिति से बचा जा सके, बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि केवल अपराध दर्ज करना और अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत कर देना पर्याप्त नहीं है,विवेचना के दौरान साक्ष्यों का विधिसम्मत संकलन,दस्तावेजों की शुद्धता और अभियोजन के साथ बेहतर समन्वय भी महत्वपूर्ण है, दोषमुक्ति के मामलों की समीक्षा से सामने आने वाली कमियों को दूर करना पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार की दिशा में आवश्यक कदम माना गया।

बलात्कार और पॉक्सो मामलों में साक्ष्य पर विशेष जोर—बलात्कार और पॉक्सो के संकलन करने के निर्देश भी दिए गए,ऐसे मामलों में एफएसएल अधिकारियों की ने निर्देशित किया कि पीड़िता के धारा 164 दंड

प्रक्रिया संहिता के तहत दर्ज कथन—जिसका समक्ष प्रावधान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 183 में है—को विचारण के दौरान विधि के अनुरूप साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, यदि न्यायालय में विचारण के दौरान पीड़िता अपने पूर्व कथन से विपरीत या पक्षद्वीही बयान देती है, तो मामले के तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए,साथ ही,यदि विवेचना में कोई शिकायत या प्रथम सूचना रिपोर्ट झूठी अथवा मिथ्या पाई जाती है,तो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय से खाम्ता या खारिजी की स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया विधिसम्मत ढंग से पूरी करने और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध लागू कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

गंभीर अपराधों में एफएसएल की भूमिका महत्वपूर्ण—सात वर्ष से अधिक अवधि के कारावास से दंडनीय अपराधों में घटनास्थल पर उपलब्ध भौतिक और परिस्थितजन्य साक्ष्यों का वैज्ञानिक तरीके से संकलन करने के निर्देश भी दिए गए,ऐसे मामलों में एफएसएल अधिकारियों की उपस्थिति में घटनास्थल का निरीक्षण कराने,

एनडीपीएस मामलों में अनिवार्य प्रावधानों के पालन पर सख्ती-

मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एनडीपीएस एक्ट के मामलों की समीक्षा के दौरान विवेचना में अधिनियम के कुछ अनिवार्य प्रावधानों का समुचित पालन नहीं होने की बात सामने आई,इस पर आईजी दीपक कुमार झा ने इकाई स्तर पर समय-समय पर रिफ्रेश प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए,ताकि विवेचकों को कानून के प्रावधानों की जानकारी हो और उनका पालन सुनिश्चित किया जा सके,एनडीपीएस मामलों में प्रक्रिया संबंधी त्रुटियां विवेचना और न्यायालयीन कार्रवाई को प्रभावित कर सकती हैं,इसलिए पुलिस अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने और विवेचना को अधिक प्रभावी तथा त्रुटिरहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

आवश्यक वैज्ञानिक परीक्षण और रिपोर्ट प्राप्त करने तथा उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया,वैज्ञानिक साक्ष्य गंभीर अपराधों की विवेचना को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे मामलों में घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने और उन्हें विधिसम्मत तरीके से सुरक्षित रखते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में किसी भी तरह की लापरवाही से बचने के निर्देश दिए गए।

एक साल से लंबित अपराधों के निराकरण की समीक्षा—बैठक के दूसरे चरण में आईजी ने सरगुजा रेंज के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस कार्यों की प्रगति की समीक्षा की,एक वर्ष से अधिक समय से लंबित अपराधों के निराकरण तथा लंबित खाम्ता प्रकरणों में न्यायालय से स्वीकृति की स्थिति पर जिलेवार चर्चा की गई,इसके अलावा एमआरएम,जीआरएम,एनसीआरपी और साइ-ट्रेन पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई,मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के अंतर्गत कार्ययोजना तैयार करने,सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आगामी रणनीति पर भी चर्चा हुई,नेटग्रिड,ई-

समंस और ई-साक्ष्य के उपयोग तथा इनसे जुड़े लॉबित कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई, प्रशिक्षु उप निरीक्षकों के प्रशिक्षण और पुलिस कार्यालयों में लॉबित शिकायतों के निराकरण की स्थिति पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए,पुलिसकर्मियों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया।

सभी जिलों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश—आईजी दीपक कुमार झा ने सभी जिलों को लॉबित मामलों का समयबद्ध निराकरण करने,तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए,बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि अपराधों की विवेचना से लेकर न्यायालयीन विचारण तक प्रत्येक स्तर पर सामने आने वाली कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करना आवश्यक है,बैठक में उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल,जशपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह,कोरिया के पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर,बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक वैभव बैकर,एमसीबी की पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह सहित सरगुजा रेंज के संबंधित अधिकारी और लोक अभियोजन अधिकारी उपस्थित रहे।

38 कवियों का काव्यपाठ,लोककला की रंगारंग प्रस्तुति...कोरिया साहित्य महोत्सव का भव्य आगाज



CMYK

स्व. हरिप्रसाद
मृत्यु दिनांक
10.05.2021

जीवतेश श्रीवास्तव
तत्कालीन समिति प्रबंधक

जवाहरलाल कुशवाहा
समिति सहायक

सोहराब अंसारी
तत्कालीन लिपिक

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सोनपुर पं.क्र.-580

दिनांक	विवरण	राशि (₹)
25.05.2021	राजीव गांधी किसान न्याय योजना	17,000
01.06.2021	KCC ऋण स्वीकृति	75,000
03.06.2021	भुगतान	49,000
04.06.2021	भुगतान	26,000
11.06.2021	KCC ऋण स्वीकृति	54,000
17.06.2021	भुगतान	49,000
21.06.2021	भुगतान	5,000
23.08.2021	राजीव गांधी किसान न्याय योजना	18,500

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित भैयाथान शाखा (सूरजपुर)

बकाया ऋण नोटिस वर्ष 2024 ₹ 1,72,860

अजीत सिंह
तत्कालीन शाखा प्रबंधक भैयाथान

मृत्यु प्रमाण-पत्र DEATH CERTIFICATE

नाम / NAME OF DECEASED : HARI PRASAD / हरि प्रसाद
मृत्यु की तिथि / DATE OF DEATH : 10-05-2021
TENTH MAY TWO THOUSAND TWENTY ONE

पहली शिकायत (कलेक्टर जनदर्शन) 22.07.2024

₹ 1,29,000 जमा, फिर शिकायत वापसी!

दूसरी शिकायत 15.10.2026

₹ 69,175 जमा, फिर शिकायत वापसी!

शिकायत वापसी पत्र 21.10.2026

हस्ताक्षर तीन, एक भी मेल नहीं?

शिकायत पर **देवीप्रसाद** जमा पची पर **देवीप्रसाद** वापसी पत्र पर **देवीप्रसाद**

मृत किसान के नाम ऋण, शिकायत के बाद जमा रकम!

सोनपुर समिति में बड़ा सवाल: मौत के बाद स्वीकृति, भुगतान और दो बार रकम जमा की कहानी

जीवतेश श्रीवास्तव, जवाहरलाल कुशवाहा, सोहराब अंसारी और बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अजीत सिंह की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

मौत के बाद केसीसी ऋण, शिकायत के बाद रकम जमा! सोनपुर समिति में सहकारिता का कैसा हिसाब-किताब?

पहले शिकायत, फिर रकम जमा, दोबारा शिकायत तो फिर भुगतान! सोनपुर समिति के हिसाब पर सवाल मृत्यु के बाद ऋण स्वीकृति, भुगतान के दस्तावेज और शिकायत वापसी पर सवाल-सोनपुर समिति में आखिर चल क्या रहा है? किसान की मौत के बाद केसीसी ऋण, दो बार शिकायत और दो बार रकम जमा-सहकारिता विभाग की जांच कहाँ है? खाते में पैसा जमा, पर सवाल बरकरार! मृत किसान के केसीसी ऋण और शिकायत वापसी के हस्ताक्षरों पर संदेह सोनपुर समिति का अजब हिसाब, मृत किसान के नाम पर ऋण, शिकायत के बाद भुगतान, अब हस्ताक्षरों की जांच की मांग

शिकायत से पहले कार्रवाई क्यों नहीं? मृत किसान के ऋण मामले में दो बार रकम जमा होने पर उठे सवाल

-ऑकर पाण्डेय-

सूरजपुर/भैयाथान, 25 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

सहकारिता विभाग की व्यवस्था में यदि सब कुछ नियमों के मुताबिक चल रहा है, तो फिर एक मृत किसान के नाम पर दर्ज ऋण का हिसाब शिकायतों के साथ बार-बार क्यों बदलता दिखाई दे रहा है? यदि ऋण सही था, तो शिकायतकर्ता को बकाया जमा करने के नोटिस के बाद आपत्ति क्यों उत्पन्न पड़ी? और यदि शिकायतकर्ता का आरोप गलत था तो शिकायत के बाद ऋण खाते में बड़ी रकम जमा करने की जरूरत क्यों पड़ी? यही वे सवाल हैं, जिनका जवाब आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सोनपुर, पंजीवन क्रमांक 580 और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की भैयाथान शाखा से जुड़े प्रकरण में तलाश जाना चाहिए।

मामला स्वर्गीय हरिप्रसाद के नाम पर कथित रूप से स्वीकृत किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) ऋण से जुड़ा है, उनके पुत्र देवी प्रसाद का आरोप है कि पिता की मृत्यु के बाद उनके नाम पर ऋण स्वीकृत हुआ और राशि का भुगतान भी दर्ज किया गया, वर्षों बाद जब समिति की ओर से बकाया ऋण जमा करने का नोटिस मिला, तब उन्हें कथित ऋण की जानकारी हुई, उन्होंने 22 जुलाई 2024 को कलेक्टर सूरजपुर के जनदर्शन में शिकायत की, शिकायतकर्ता के अनुसार, इसके बाद 26 जुलाई 2024 को 1,29,000 जमा किए गए और शिकायत वापसी का दस्तावेज सामने आया, कहानी का दूसरा अध्याय अक्टूबर 2026 में सामने आया, शिकायतकर्ता ने 15 अक्टूबर को दोबारा शिकायत की। उनका आरोप है कि इसके बाद उन्हें भैयाथान बैंक शाखा ले जाकर ऋण जमा पची पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया, फिर 17 अक्टूबर को 69,175 जमा होने का दस्तावेज सामने आया और 21 अक्टूबर को उच्च कार्यालय को शिकायत वापसी का पत्र भेजे जाने की जानकारी मिली, शिकायतकर्ता अब उस पत्र और जमा पची पर दर्ज हस्ताक्षरों

मृत किसान के नाम पर ऋण का खेल? शिकायत के बाद रु. 1.29 लाख... फिर रु. 69,175 जमा

शिकायत वापस लेने का दबाव क्यों?

मृतक के नाम KCC ऋण प्रकरण में शिकायतकर्ता को प्रभावी और प्रतीक के आरोप

मृत्यु के बाद भी खाते में 'जिंदा' रखा लेन-देन! हरिप्रसाद के नाम पर केसीसी ऋण और नकद निकासी ने खड़े किए गंभीर सवाल

कलेक्टर का निर्णय पत्र का रॉ 2024 को, फिर इन में केसीसी ऋण, फिर प्रसाद मृत, शिकायत पर शिकायतकर्ता

मृतक के नाम पर ऋण का खेल? शिकायत के बाद रु. 1.29 लाख... फिर रु. 69,175 जमा

मृतक के नाम पर ऋण का खेल? शिकायत के बाद रु. 1.29 लाख... फिर रु. 69,175 जमा

मृतक के नाम पर ऋण का खेल? शिकायत के बाद रु. 1.29 लाख... फिर रु. 69,175 जमा

सरगुजा संभाग में सुनवाई और कार्रवाई का सवाल

शिकायतकर्ता ने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है, इस प्रकरण में ऐसी जांच की जरूरत है जो संबंधित ऋण स्वीकृति और भुगतान प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की भूमिका की स्वतंत्र समीक्षा कर सके, जांच में मृत्यु प्रमाण-पत्र, ऋण आवेदन, स्वीकृति आदेश, भुगतान प्रविष्टियाँ, वाउचर, बकाया नोटिस, दोनों शिकायतों, शिकायत वापसी के पत्र और दोनों बार जमा हुई रकम का प्रमाणित विवरण शामिल होना चाहिए, यदि किसी स्तर पर दस्तावेजों में हेरफेर, गलत भुगतान या हस्ताक्षर संबंधी गड़बड़ी प्रमाणित होती है, तो उसके अनुरूप विधिसम्मत कार्रवाई होनी चाहिए, यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो जांच रिपोर्ट में स्पष्ट कारण और अभिलेखीय आधार दर्ज किया जाना चाहिए, दोनों ही स्थितियों में पारदर्शिता जरूरी है, यह मामला सहकारिता विभाग के लिए भी एक कसौटी है, क्या विभाग केवल ऋण खाते का बकाया शून्य करने पर ध्यान देगा, या यह भी देखेगा कि विवाद पैदा कैसे हुआ? क्या वह केवल शिकायत वापसी का पत्र देखेगा, या यह भी सुनिश्चित करेगा कि पत्र शिकायतकर्ता ने ही दिया था? क्या रकम जमा होने को अंतिम समाधान माना जाएगा, या ऋण स्वीकृति और भुगतान की मूल प्रक्रिया की भी जांच होगी?

अब सरकार और विभाग को जवाब देना होगा

स्वर्गीय हरिप्रसाद की मृत्यु के बाद उनके नाम पर ऋण स्वीकृति और भुगतान दर्ज होने का आरोप, 2024 में शिकायत के बाद 1.29 लाख जमा होने का विवरण, 2026 में दोबारा शिकायत के बाद 69,175 जमा होने का दस्तावेज और शिकायत वापसी के हस्ताक्षरों पर उठे सवाल-ये सभी बिंदु एक साथ जांच की मांग करते हैं, व्यंग्य अपनी जगह है, लेकिन इस मामले में सबसे जरूरी चीज निष्पक्ष और दस्तावेज-आधारित जांच है, शिकायत के बाद रकम जमा होने से यदि हर सवाल समाप्त हो जाता, तो फिर शिकायतकर्ता को दोबारा शिकायत करने की जरूरत क्यों पड़ती? और यदि शिकायत वापसी का पत्र ही सब कुछ तय कर देता, तो उसके हस्ताक्षरों पर उठी आपत्ति का जवाब कौन देगा? सहकारिता विभाग को अब स्पष्ट करना चाहिए कि इस प्रकरण में जांच किस स्तर पर है, मूल ऋण रिकॉर्ड का परीक्षण हुआ या नहीं, शिकायत वापसी के पत्र की पुष्टि की गई या नहीं और दोनों बार जमा हुई राशि के पीछे की प्रक्रिया क्या थी, क्योंकि जनता का भरोसा केवल इस बात से नहीं बनता कि खाते में पैसा जमा हो गया, भरोसा तब बनता है, जब यह भी साफ हो कि पैसा किसका था, किस आधार पर निकला, किसने जमा किया और पूरी प्रक्रिया में नियमों का पालन हुआ या नहीं, सोनपुर के इस मामले में यही असली हिसाब है-और इसका जवाब केवल फाइल बंद करके नहीं, तथ्य सामने रखकर देना होगा।

मृत किसान के नाम पर ऋण से लेकर शिकायत वापसी तक सवाल ही सवाल-सोनपुर समिति की निष्पक्ष जांच की मांग...

केवल शिकायतकर्ता के आरोप के आधार पर दोष तय नहीं हो सकता, मगर दस्तावेजों में दिख रहे समयक्रम की अनदेखी भी नहीं की जानी चाहिए।

बकाया ऋण का नोटिस आया तो खुला कथित ऋण का मामला

शिकायतकर्ता का कहना है कि वर्ष 2024 में उन्हें समिति की ओर से उनके दिवंगत पिता के नाम पर 1,72,860 का बकाया ऋण जमा करने का नोटिस मिला, उनका दावा है कि इसी नोटिस के बाद उन्हें पता चला कि पिता के नाम पर KCC ऋण दर्ज है, जबकि उनके अनुसार पिता ने ऐसा ऋण नहीं लिया था, इसके बाद 22 जुलाई 2024 को कलेक्टर के जनदर्शन में शिकायत की गई, शिकायतकर्ता के प्रस्तुत विवरण के मुताबिक, 26 जुलाई 2024 को 1,29,000 ऋण खाते में जमा हुए, इसके बाद शिकायत वापस लिए जाने का पत्र भी सामने आया, शिकायतकर्ता का आरोप है कि उस समय उन्हें यह कहकर शिकायत वापस लेने के लिए तैयार किया गया कि उनके पिता ने मृत्यु से पहले ऋण लिया था, यही से मामले में एक और सवाल पैदा होता है, यदि शिकायतकर्ता ने बाद में अपना पक्ष बदला था, तो क्या उस बदलाव की स्वतंत्र पुष्टि हुई? क्या शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया? क्या मृत्यु प्रमाणपत्र और ऋण स्वीकृति की तारीखों का मिलान किया गया? क्या यह जांचा गया कि शिकायत वापसी स्वेच्छ से हुई थी? शिकायत वापसी का पत्र किसी शिकायतकर्ता के पहले आरोप को अपने आप झुठा साबित नहीं करता। उसी तरह, शिकायतकर्ता का बाद में आरोप लगाना भी अपने आप पहले पत्र को फर्जी साबित नहीं करता। दोनों दस्तावेजों की प्रामाणिकता और परिस्थितियों की जांच जरूरी है, आखिर प्रशासनिक व्यवस्था का काम केवल कागज पर सहमति दर्ज कर लेना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सहमति वास्तविक और स्वेच्छिक थी।

2026 में दोबारा नोटिस, दोबारा शिकायत और फिर रु. 69,175 जमा

वर्ष 2026 में यह मामला फिर चर्चा में आया, शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में 7 अक्टूबर 2026 का बकाया ऋण जमा करने संबंधी नोटिस दिखाई देता है, इसके बाद देवी प्रसाद ने 15 अक्टूबर को दोबारा शिकायत प्रस्तुत की, शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने फिर वही सवाल उठाया-जब उनके पिता की मृत्यु 10 मई 2021 को हो गई थी, तो उनके नाम पर ऋण स्वीकृति और भुगतान कैसे दर्ज हुआ? शिकायतकर्ता के अनुसार, इस शिकायत के बाद 17 अक्टूबर 2026 को 69,175 जमा किए गए, उपलब्ध कराई गई जमा पची पर यह राशि दर्ज है, लेकिन इस रकम का पूरा हिसाब स्पष्ट होना चाहिए, क्या यह मूलधन था, व्याज था या बकाया की किसी अन्य मद का समायोजन? क्या राशि संबंधित ऋण खाते में जमा हुई? इसे किसने जमा किया? किसके निर्देश पर जमा किया गया? और जमा होने के बाद खाते की स्थिति क्या रही? इन सवालों का जवाब बैंक की प्रमाणित प्रविष्टियों और ऋण खाते के पूर्ण विवरण से मिलाया जा सकता है, वह अपने आप यह नहीं बताता कि मूल ऋण वैध था या नहीं, भुगतान निशामानुसार हुआ था या नहीं और शिकायत में उठाए गए आरोपों की जांच हुई या नहीं, व्यंग्य की भाषा में कहें तो इस मामले में शिकायत की तारीखें और जमा राशि की तारीखें साथ-साथ चलती दिख रही हैं, लेकिन प्रशासनिक जांच का काम इस संयोग पर टिप्पणी करके रुक जाना नहीं है, उसे यह पता लगाना होगा कि हर भुगतान के पीछे वास्तविक प्रक्रिया क्या थी।

बैंक शाखा में ले जाने और हस्ताक्षर कराने के दबाव का आरोप

देवी प्रसाद ने आरोप लगाया है कि 15 अक्टूबर 2026 को शिकायत के बाद, 16

क्या रकम जमा होते ही खत्म हो जाती है वित्तीय अनियमितता? सोनपुर समिति प्रकरण ने खड़े किए गंभीर सवाल

अक्टूबर को उन्हें सोनपुर समिति के तत्कालीन प्रभारी समिति प्रबंधक जीवतेश श्रीवास्तव द्वारा भैयाथान बैंक शाखा ले जाया गया, शिकायतकर्ता का कहना है कि उनसे ऋण जमा पची पर हस्ताक्षर करने को कहा गया और यह आश्वासन दिया गया कि रकम जमा कर दी जाएगी, उनका दावा है कि वे वहां से मौका देखकर निकल गए, यह आरोप गंभीर है और इसकी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, जांच में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शिकायतकर्ता बैंक शाखा में किस उद्देश्य से पहुंचे थे, क्या उनसे कोई सहमति ली गई, पची किसने तैयार की और राशि जमा कराने का निर्णय किसने लिया, शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि 17 अक्टूबर को उनकी जानकारी और सहमति के बिना उनके नाम से हस्ताक्षर कर 69,175 जमा किए गए, इसके बाद 21 अक्टूबर को उच्च कार्यालय को उनकी ओर से शिकायत वापसी का पत्र भेजे जाने की जानकारी सामने आई, यदि शिकायतकर्ता उस पत्र को अपना मानने से इनकार करते हैं, तो उसकी प्रामाणिकता की जांच कराना आवश्यक है, किसी भी विवाद में शिकायतकर्ता की सहमति को केवल कागज पर दर्ज हस्ताक्षर से अंतिम नहीं माना जा सकता, खासकर जब वही व्यक्ति हस्ताक्षर को लेकर सवाल उठा रहा हो। यहां जांच का विषय यह है कि हस्ताक्षर वास्तविक हैं या नहीं, पत्र किसने तैयार किया, किसने जमा किया और उसे कार्यालय तक किस माध्यम से भेजा गया।

शिकायत पर हस्ताक्षर अलग, जमा पची पर अलग, वापसी पत्र पर अलग?

इस प्रकरण का एक अहम पहलू हस्ताक्षरों को लेकर उठी आपत्ति है, शिकायतकर्ता का दावा है कि उनकी शिकायत, ऋण जमा पची और शिकायत वापसी के पत्र पर दर्ज हस्ताक्षर एक-दूसरे से अलग प्रतीत होते हैं, केवल तस्वीर या सामान्य दृश्य तुलना से किसी हस्ताक्षर को जाली घोषित नहीं किया जा सकता, लेकिन यदि शिकायतकर्ता लिखित रूप में हस्ताक्षर से इनकार कर रहे हैं, तो इस प्रश्न को नजरअंदाज

जीवतेश श्रीवास्तव और तत्कालीन शाखा प्रबंधक की भूमिका पर सवाल

शिकायतकर्ता के अनुसार, संबंधित घटनाक्रम के दौरान जीवतेश श्रीवास्तव आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सोनपुर में तत्कालीन प्रभारी समिति प्रबंधक के पद पर थे, वहीं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की भैयाथान शाखा में तत्कालीन शाखा प्रबंधक अजीत सिंह पदस्थ थे, इन पदों पर तैनाती अपने आप में किसी व्यक्ति की संलिप्तता या दोष सिद्ध नहीं करती, फिर भी, ऋण स्वीकृति, भुगतान, बकाया नोटिस, शिकायत के बाद राशि जमा होने और शिकायत वापसी के पत्र की प्रक्रिया में किसकी क्या भूमिका थी, इसे रिकॉर्ड के आधार पर स्पष्ट करना जरूरी है, जांच में यह पता लगाया जाना चाहिए कि ऋण स्वीकृति के समय कौन-कौन से अधिकारी या कर्मचारी शामिल थे, भुगतान वाउचर किसने सत्यापित किए? राशि जारी करने की अनुमति किसने दी? बकाया नोटिस किस अभिलेख के आधार पर जारी हुआ? 2024 में जमा हुई 1,29,000 की राशि का स्रोत क्या था 2026 में जमा 69,175 किसने और किस प्रक्रिया के तहत जमा किए? शिकायत वापसी के पत्र की जांच किस स्तर पर हुई? यदि इन सभी प्रश्नों के उत्तर दस्तावेजों में उपलब्ध हैं, तो उन्हें सामने लाने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए, और यदि रिकॉर्ड में विसंगतियाँ हैं, तो उन्हें दूर करने का रास्ता स्वतंत्र जांच से होकर ही जाएगा।

सहकारिता विभाग का हिसाब: रकम जमा हुई, लेकिन शिकायत का जवाब कहाँ है?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि खाते में कितनी रकम जमा हुई, सवाल यह है कि जिस कथित ऋण की वैधता पर प्रक्रिया के जांच कहाँ तक पहुंची? यदि ऋण सही था, तो शिकायतकर्ता को उसकी वैधता और भुगतान प्रक्रिया समझाने के लिए दस्तावेज सामने रखे जाने चाहिए, यदि ऋण स्वीकृति या भुगतान में गड़बड़ी की आशंका है, तो केवल बाद में रकम जमा हो जाने से जांच की जरूरत समाप्त नहीं हो जाती, और यदि शिकायत वापसी का पत्र विवादित है, तो उसकी पुष्टि के बिना उसे अंतिम समाधान मान लेना उचित नहीं होगा, कागजों में रकम जमा होना एक बात है; यह साबित होना दूसरी कि ऋण की प्रक्रिया सही थी, इसी तरह, शिकायत वापस लेने का पत्र एक दस्तावेज है, यह साबित होना दूसरी बात कि शिकायतकर्ता ने उसे स्वेच्छ से और समझ-बूझकर प्रस्तुत किया था, इन दोनों के बीच का अंतर ही इस प्रकरण की जांच का केंद्र होना चाहिए।

शिकायत और खबर के बाद हरकत में आया प्रशासन नरसिंहपुर पुलिया की जरूरत पर हुआ स्थल निरीक्षण

जनपद CEO, SDO और इंजीनियर की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण, पंचनामा में स्कूल, आंगनबाड़ी और ग्रामीणों की आवाजाही का उल्लेख, करीब 450 लोगों को लाभ मिलने की बात



ग्रामीणों का ज्ञापन और पंचनामा

शिकायत और खबर के बाद जागा प्रशासन...

नरसिंहपुर पुलिया की जांच करने पहुंची संयुक्त टीम

पुलिया निर्माण पर उठे सवाल के बीच मौके पर पहुंची जांच टीम, पंचनामा में दर्ज हुई जरूरत

जहां पुलिया की उपयोगिता पर उठे सवाल, वहां जांच टीम ने देखी मौके की स्थिति

शिकायत के बाद खुली जांच की राह, नरसिंहपुर पुलिया निर्माण का संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण

पुलिया निर्माण पर शिकायत के बाद प्रशासन सक्रिय, अब जांच के निष्कर्ष पर टिकी निगाहें

नरसिंहपुर पुलिया : आरोपों के बीच मौके की जांच, निर्माण की जरूरत और गुणवत्ता दोनों अहम

-रवि सिंह-

कोरिया/बैकुंठपुर, 25 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

नरसिंहपुर क्षेत्र में आरसीसी पुलिया निर्माण को लेकर सवाल उठाए जाने, शिकायत किए जाने और समाचार प्रकाशित होने के बाद आखिरकार प्रशासनिक स्तर पर जांच की गई, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), एसडीओ और इंजीनियर की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और निर्माण स्थल का निरीक्षण कर

पंचनामा तैयार किया, निरीक्षण के दौरान सड़क और पुलिया की जरूरत, स्थानीय आवागमन तथा ग्रामीणों को मिलने वाले लाभ से जुड़े तथ्यों को पंचनामा में दर्ज किया गया, इससे उस आरोप पर सवाल खड़े हो गए हैं कि जहां रास्ते की जरूरत ही नहीं है, वहां पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है, इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निरीक्षण दल का काम केवल निर्माण स्थल तक पहुंचना नहीं, बल्कि यह देखना भी था कि निर्माण सही स्थान पर हो रहा है या नहीं, वहां वास्तव में सड़क और पुलिया की आवश्यकता है या नहीं तथा प्रस्तावित निर्माण से किन लोगों को लाभ मिलेगा, संयुक्त टीम ने मौके की परिस्थितियों का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया, जिसमें स्थानीय जरूरतों और संभावित लाभार्थियों का उल्लेख किया गया है।

शिकायत के बाद जांच, अब मौके के तथ्यों पर चर्चा

नरसिंहपुर में प्रस्तावित आरसीसी पुलिया निर्माण को लेकर सवाल उठने के बाद शिकायत की गई और इस संबंध में खबर भी प्रकाशित हुई, इसके बाद संयुक्त जांच दल का मौके पर पहुंचना इस मामले में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है, जांच का उद्देश्य निर्माण की आवश्यकता और स्थल की वास्तविक स्थिति को समझना था, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पुलिया का निर्माण जनहित में उपयोगी है या नहीं, मौके पर तैयार पंचनामा में सड़क की आवश्यकता का उल्लेख किया गया, साथ ही यह भी दर्ज किया गया कि संबंधित क्षेत्र में प्राथमिक शाला और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, यहां छोटे-छोटे बच्चों के अलावा गर्भवती महिलाओं का भी आना-

जाना होता है। ऐसे में आवागमन की सुविधा केवल सामान्य आवाजाही का मामला नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा, आंगनबाड़ी सेवाओं तक पहुंच और ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों से भी जुड़ा हुआ है।

प्राथमिक शाला और आंगनबाड़ी तक पहुंच का सवाल

किसी भी ग्रामीण सड़क या पुलिया की उपयोगिता का आकलन करते समय यह देखना जरूरी होता है कि उससे स्थानीय आबादी को कितना लाभ मिलेगा और उसका उपयोग किन आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में होगा, नरसिंहपुर में प्राथमिक शाला और आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है, पंचनामा में दर्ज

नरसिंहपुर पुलिया विवाद में नया मोड़, सीईओ-एसडीओ और इंजीनियर ने किया स्थल निरीक्षण

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं का आवागमन होता है, यदि रास्ता सुगम होता है, तो इसका लाभ विद्यार्थियों, अभिभावकों, आंगनबाड़ी सेवाओं से जुड़ी महिलाओं और अन्य ग्रामीणों को मिल सकता है, यही कारण है कि निर्माण स्थल का मूल्यांकन करते समय केवल सड़क की वर्तमान स्थिति देखना पर्याप्त नहीं, बल्कि भविष्य में उसके उपयोग और उससे जुड़ी आबादी की जरूरतों को भी समझना आवश्यक है।

गेज नदी के किनारे रिटेनिंग वॉल का भी उल्लेख

संयुक्त जांच दल द्वारा तैयार पंचनामा में गाज नदी के किनारे लगभग पांच वर्ष पूर्व रिटेनिंग वॉल

बनाए जाने का भी उल्लेख किया गया है, इसके साथ ही सड़क के किनारे विद्युत लाइन के विस्तार की जानकारी दर्ज की गई है, उपलब्ध विवरण के अनुसार, इस क्षेत्र में लगभग 11 विद्युत पोल लगाए गए हैं और विद्युत आपूर्ति बहाल की गई है, ये तथ्य स्थल की स्थिति और वहां विकसित की गई सुविधाओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं, हालांकि, केवल रिटेनिंग वॉल या विद्युत पोल की मौजूदगी से पुलिया की तकनीकी उपयुक्तता अपने आप प्रमाणित नहीं होती, इसके लिए स्थल की भौगोलिक स्थिति, तकनीकी मानकों और स्वीकृत निर्माण योजना का परीक्षण भी जरूरी है, पिछले पंचनामा में इनका उल्लेख यह बताता है कि जांच के दौरान आसपास की परिस्थितियों और पहले से मौजूद संरचनाओं को भी ध्यान में रखा गया।

खबर के बाद जांच से सामने आया अहम पहलू

इस घटनाक्रम में शिकायत और समाचार प्रकाशन के बाद संयुक्त टीम का मौके पर पहुंचना अहम है, इससे कम-से-कम यह स्पष्ट हुआ कि मामले को केवल कागजी अहोप-प्रत्यारोप तक सीमित रखने के बजाय स्थल पर जाकर वास्तविक स्थिति देखने की जरूरत महसूस की गई, निरीक्षण के बाद तैयार पंचनामा अब इस विवाद में महत्वपूर्ण दस्तावेज बन सकता है, अब उम्मीद है कि प्रशासन होगा कि संबंधित विभाग पंचनामा और तकनीकी तथ्यों के आधार पर क्या निष्कर्ष निकालता है, यदि निर्माण जनहित में आवश्यक पाया गया है, तो उसकी गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करना भी उठना ही जरूरी होगा, वर्य, यदि किसी स्तर पर तकनीकी या वित्तीय अडिगमिता सामने आती है, तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, फिलहाल संयुक्त जांच के पंचनामा में सड़क और आरसीसी पुलिया की आवश्यकता तथा स्थानीय ग्रामीणों को संभावित लाभ मिलने का उल्लेख इस मामले का महत्वपूर्ण पक्ष बनकर सामने आया है, अब अंतिम तय्यार संबंधित विभाग की आधिकारिक जांच रिपोर्ट, स्वीकृत दस्तावेजों और तकनीकी परीक्षण से ही स्पष्ट होगा।

करीब 450 ग्रामीणों को लाभ मिलने का दावा

पंचनामा में दर्ज निष्कर्षों के अनुसार, आरसीसी पुलिया का निर्माण होने से नरसिंहपुर और सारीपार क्षेत्र के ग्रामीणों को लाभ मिलने की बात कही गई है, उपलब्ध जानकारी में लगभग 450 लोगों को इससे सीधे लाभ मिलने का उल्लेख है, यदि निर्माण स्थल, तकनीकी डिजाइन और स्वीकृत योजना के अनुरूप पुलिया तैयार होती है, तो यह स्थानीय आवागमन को सुगम बनाने में उपयोगी हो सकती है, खासकर उन ग्रामीणों के लिए, जिन्हें स्कूल, आंगनबाड़ी और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए आवाजाही करनी पड़ती है, इस लिहाज से पुलिया की उपयोगिता का सवाल केवल निर्माण लागत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी है कि उससे कितने लोगों की वास्तविक समस्या का समाधान होगा।

क्या जांच ने आरोपों का जवाब दे दिया?

इस मामले में एक पक्ष की ओर से यह सवाल उठाया गया था कि जहां रास्ता नहीं है, वहां पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है, अब संयुक्त जांच दल के निरीक्षण और पंचनामा में सड़क की आवश्यकता, प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र, ग्रामीणों की आवाजाही तथा करीब 450 लोगों को संभावित लाभ मिलने का उल्लेख सामने आया है। इन तथ्यों से निर्माण की जरूरत के पक्ष में आधार जरूर मिलता है, लेकिन पूरे मामले में निष्पक्ष निष्कर्ष निकालने के लिए यह अंतर समझना जरूरी है कि स्थल पर पुलिया की आवश्यकता होना और निर्माण कार्य का हर तकनीकी एवं वित्तीय पहलू सही होना दो अलग-अलग बातें हैं, पंचनामा में आवश्यकता और लाभ का उल्लेख होने से यह स्पष्ट होता है कि निर्माण के पक्ष में स्थानीय जरूरतें बताई गई हैं, वहीं, निर्माण की गुणवत्ता, स्वीकृत स्थान, तकनीकी मानक, लागत और भूतान संबंधी सवालों की पुष्टि संबंधित अभिलेखों और तकनीकी जांच से ही हो सकती है, इसलिए यदि निर्माण को लेकर अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं, तो उनका परीक्षण केवल आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि स्वीकृत प्राकलन, तकनीकी स्वीकृति, स्थल निरीक्षण रिपोर्ट और वास्तविक निर्माण की तुलना के आधार पर किया जाना चाहिए, इसी तरह, यदि जांच में निर्माण की आवश्यकता सामने आई है, तो उस तथ्य को भी समान गंभीरता से देखा जाना चाहिए।

बेटी पूनम को राज्यपाल पुरस्कार...बधाई देने घर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

स्वर्गीय कोरिया कुमार के करीबी रहे ओमकार पांडे के घर पहुंचे मंत्री...बेटी की उपलब्धि पर दी बधाई...

शिक्षा के सितारों का सम्मान: पूनम पांडे और जया मिश्रा को स्वास्थ्य मंत्री ने भेंट किया मोमेंटो

-संवाददाता-
बैकुंठपुर, 25 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल पुरस्कार 2026 से सम्मानित कोरिया जिले की दो शिक्षिकाओं के लिए सम्मान और बधाई का सिलसिला जारी है, इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल 24 अक्टूबर 2026 को बैकुंठपुर में शिक्षिका पूनम पांडे और राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका जया मिश्रा को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, स्वास्थ्य मंत्री का यह दौरा इसलिए भी

चर्चा में रहा कि पूनम पांडे के पिता ओमकार पांडे क्षेत्र के पुराने कांग्रेसी हैं और स्वर्गीय कोरिया कुमार के करीबी लोगों में गिने जाते रहे हैं, ओमकार पांडे के निवास पर पहुंचकर मंत्री ने उनकी बेटी की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई और परिवार को बधाई दी, यह मुलाकात शिक्षा के क्षेत्र में हासिल उपलब्धि के सम्मान के साथ स्थानीय सामाजिक और राजनीतिक संबंधों के लिहाज से भी उल्लेखनीय रही।

दो शिक्षिकाओं ने बढ़ावा जिले का गौरव

राज्यपाल पुरस्कार 2026 से सम्मानित शिक्षिकाओं में पूनम पाण्डेय, प्रधान पाठक, शासकीय जनपद कन्या प्राथमिक शाला, बैकुंठपुर तथा जया मिश्रा, सहायक शिक्षक, शासकीय पीएम श्री प्राथमिक शाला, बुहार, बैकुंठपुर शामिल हैं, दोनों शिक्षिकाओं को



यह सम्मान मिलने से जिले के शिक्षा जगत में गौरव का वातावरण है, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दोनों शिक्षिकाओं को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं, उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, किसी शिक्षक की मेहनत और समर्पण को राज्यस्तरीय सम्मान मिलना न केवल संबंधित शिक्षक के लिए, बल्कि उस विद्यालय, विद्यार्थियों और पूरे जिले के लिए गौरव का विषय होता है।

शिक्षक समाज और भविष्य की पीढ़ी के निर्माण की मजबूत कड़ी

शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं होते, बल्कि बच्चों में संस्कार, अनुशासन, ज्ञान और आत्मविश्वास विकसित करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर शिक्षकों का योगदान बच्चों की बुनियादी मजबूत करने के लिहाज से विशेष महत्व रखता है, ऐसे में पूनम पांडे और जया मिश्रा को राज्यपाल पुरस्कार मिलना उनके शैक्षणिक योगदान और कर्तव्यनिष्ठा की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, दोनों शिक्षिकाओं का सम्मान जिले के अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा का संदेश है, स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उनके निवास पर पहुंचकर सम्मानित करना इस उपलब्धि के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर बना, कोरिया जिले की इन दोनों शिक्षिकाओं ने राज्यपाल पुरस्कार हासिल कर जिले की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को गौरवान्वित किया है।

छात्रहित की समस्याओं को लेकर एबीवीपी ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

रामानुज प्रताप सिंह देव स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सुविधाओं और शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठाए, प्राचार्य ने दिया सकारात्मक आश्वासन

-संवाददाता-
बैकुंठपुर, 25 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

शासकीय रामानुज प्रताप सिंह देव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैकुंठपुर में विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बैकुंठपुर नगर इकाई ने महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा, परिषद के कार्यकर्ताओं ने छात्रहित से जुड़े मुद्दों को महाविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन सौंपने पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और उनके भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है, ऐसे में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आवश्यक सुविधाएं और सुचारु व्यवस्था उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।



चाहिए, विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए महाविद्यालय प्रशासन को उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

समस्याओं के निराकरण की मांग

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को उठाते हुए उनके उचित निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया, परिषद का कहना है कि छात्रहित से जुड़े विषयों पर समय रहते कार्रवाई होने से विद्यार्थियों को रहत मिलेगी और शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, ज्ञापन के संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य ने कार्यकर्ताओं की मांगों और समस्याओं पर सकारात्मक आश्वासन दिया, इसके बाद विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में आवश्यक पहल किए जाने की उम्मीद जताई गई।

दिवाली समारोह में कुशा कपिला की साड़ी ने खींचा ध्यान

कॉटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री कुशा कपिला एक बार फिर अपने फैशन लुक को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में आयोजित दिवाली समारोह 'इत्र की दिवाली' में शामिल होने पहुंची कुशा ने अपने परिधान से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। 'इब्टिदा एक महफिल' के इस सितारों से सजे कार्यक्रम में कई मशहूर हस्तियां पारंपरिक और डिजाइनर परिधानों में नजर आईं। हालांकि,

इस आयोजन में कुशा कपिला की साड़ी और ब्लाउज का कॉम्बिनेशन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। कुशा ने समारोह के लिए भारी सुनहरे बॉर्डर वाली लाल डिजाइनर साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने गहरे ज्वेल-टोन रंग का लंबी आस्तीन वाला डिजाइनर ब्लाउज चुना। उनका यह लुक पारंपरिक भारतीय परिधान और आधुनिक फैशन के मेल के रूप में सामने आया। जहां कुछ लोगों ने उनके स्टाइल पर ध्यान दिया, वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी फैशन चॉइस को लेकर सवाल भी उठाए।

लाल साड़ी और

गोल्डन बॉर्डर ने खींचा ध्यान

दिवाली जैसे त्योहारों पर पारंपरिक भारतीय परिधान हमेशा से फैशन का अहम हिस्सा रहे हैं। साड़ी को खास तौर पर उत्सव, पारिवारिक समारोहों और सितारों से सजे आयोजनों में पसंद किया जाता है। कुशा कपिला ने भी अपने दिवाली लुक के लिए लाल रंग की साड़ी चुनी, जिस पर भारी सुनहरे बॉर्डर का काम था। लाल और सुनहरे रंग का संयोजन भारतीय उत्सवी फैशन में काफी लोकप्रिय माना जाता है। दिवाली के अवसर पर इन रंगों को पारंपरिक और आकर्षक अंदाज से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि, कुशा के लुक में केवल साड़ी ही नहीं, बल्कि उनके ब्लाउज का रंग और डिजाइन भी लोगों के ध्यान का केंद्र बना। अभिनेत्री ने साड़ी के साथ गहरे रंग का लंबी आस्तीन वाला ब्लाउज पहना। साड़ी और ब्लाउज के रंगों में अंतर के कारण उनका परिधान सामान्य पारंपरिक स्टाइल से कुछ अलग नजर आया। इसी कॉम्बिनेशन को लेकर ऑनलाइन फैशन चर्चा शुरू हुई।

इत्र की दिवाली' में सितारों का जमावड़ा

मुंबई में आयोजित 'इत्र की दिवाली' समारोह में फिल्म और मनोरंजन जगत से जुड़ी कई हस्तियां ने हिस्सा लिया। दिवाली के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में फैशन, परंपरा और उत्सवी माहौल का मेल देखने को मिला। ऐसे आयोजनों में सैलिब्रिटीज के परिधान अवसर चर्चा का विषय बन जाते हैं। डिजाइनर साड़ियां, लहंगे, पारंपरिक आभूषण और आधुनिक कट वाले परिधान त्योहारों के फैशन ट्रेंड को भी प्रभावित करते हैं। सोशल मीडिया के दौर में किसी अभिनेत्री या कॉटेंट क्रिएटर का लुक कार्यक्रम के दौरान ही नहीं, बल्कि उसके बाद भी लोगों के बीच चर्चा में बना रहता है। कुशा कपिला भी सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी और फैशन संबंधी प्रयोगों के लिए जानी जाती हैं। इस बार उनके दिवाली लुक ने ऑनलाइन यूजर्स का ध्यान खींचा और उनके पहनावे को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

सोशल मीडिया पर फैशन चॉइस को लेकर चर्चा

कुशा कपिला की लाल साड़ी और गहरे रंग के ब्लाउज वाले लुक को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने सवाल उठाए। उनके परिधान के रंगों और डिजाइन के तालमेल पर चर्चा हुई। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में किसी खास यूजर की टिप्पणी या प्रतिक्रियाओं की संख्या का विवरण नहीं है, इसलिए ऑनलाइन प्रतिक्रिया को लेकर व्यापक निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फैशन की दुनिया में किसी परिधान को पसंद या नापसंद करना काफी हद तक व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है। एक ही लुक कुछ लोगों को आकर्षक और प्रयोगधर्मी लग सकता है, जबकि दूसरे लोग उसे अपने स्वाद के अनुरूप नहीं मानते। यही वजह है कि सैलिब्रिटीज के कपड़ों को लेकर सोशल मीडिया पर अक्सर अलग-अलग राय देखने को मिलती है। कुशा का यह लुक भी इसी तरह चर्चा में आया। उनके पहनावे का ध्यान सवाल उठाने के बावजूद यह स्पष्ट है कि उनके परिधान ने ऑनलाइन दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

कुशा कपिला का लुक बना चर्चा का विषय

कॉटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री के रूप में कुशा कपिला मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान रखती हैं। उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों और फैशन विकल्पों पर सोशल मीडिया यूजर्स की नजर रहती है। 'इत्र की दिवाली' में उनका पहनावा भी इसी वजह से चर्चा में आया। इस समारोह में कुशा ने लाल डिजाइनर साड़ी और गहरे रंग के लंबी आस्तीन वाले ब्लाउज के साथ अपना उत्सवी लुक पेश किया। उनके फैशन चयन पर कुछ लोगों ने सवाल उठाए, जबकि कार्यक्रम में मौजूद अन्य सितारे भी अपने पारंपरिक और डिजाइनर परिधानों के कारण आकर्षण का केंद्र रहे। कुल मिलाकर, मुंबई के 'इत्र की दिवाली' समारोह में कुशा कपिला का लाल साड़ी और गहरे रंग के ब्लाउज वाला लुक ऑनलाइन चर्चा में रहा।



सिंगर कुमार सानू ने बांबी देओल की एक कल्ट फिल्म के लिए दर्द भरा गीत गाया था। 90 के दशक में बतौर गायक कुमार सानू ने कई सदाबहार रोमांटिक गीतों को गाया था, जिनकी गूंज आज भी सुनाई देती है। इस

दौरान सानू दा ने कई ऐसे सैड सॉन्ग को भी अपनी आवाज दी,जिन्होंने आशिकों के दिलों के दर्द को बर्‍या किया।

ऐसा ही एक लोकप्रिय गीत कुमार सानू ने अभिनेता बांबी देओल की एक कल्ट फिल्म

उदिति सिंह से ब्रेकअप पर करण वाही ने तोड़ी चुप्पी

रियलिटी शो बिग बॉस 20 में उदिति सिंह और अभिनेता करण वाही के पुराने रिश्ते को लेकर चर्चा तेज हो गई है। शो के दौरान उदिति सिंह

कई बार अपने

ब्रेकअप और करण

वाही के साथ

बिताए समय का

जिक्र कर

चुकी हैं।

उन्होंने अपने

पुराने रिश्ते

को लेकर

कुछ गंभीर

आरोप

भी

लगाए

हैं।

उदिति

का दावा है कि करण ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया था और उनके पालतू कुत्ते के साथ भी कथित तौर पर गलत बर्ताव किया था। अब इन आरोपों और लगातार हो रही चर्चाओं के बीच करण वाही ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। अभिनेता ने अपने रिश्ते को लेकर बात करते हुए खुलासा किया कि वह उदिति के साथ अपने संबंध को शादी तक ले जाना चाहते थे। इसके साथ ही उन्होंने उन अटकलों पर भी प्रतिक्रिया दी है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी तय हो चुकी थी।

बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बना पुराना रिश्ता
बिग बॉस 20 में उदिति सिंह अपने पुराने रिश्ते को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। शो के दौरान उन्होंने अभिनेता करण वाही के साथ अपने संबंध और ब्रेकअप के बारे में कई बातें साझा की हैं।उदिति ने बातचीत के दौरान अपने रिश्ते में आई परेशानियों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी बताया कि किन परिस्थितियों में दोनों के बीच दूरियां बढ़ीं। उनकी बातों के सामने आने के बाद करण वाही को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गईं।सोशल मीडिया पर दर्शक इस पूरे मामले को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हालांकि,

किसी भी निजी रिश्ते से जुड़े आरोपों के बारे में केवल एक

पक्ष की बात के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है।

करण वाही पर उदिति सिंह ने लगाए आरोप
उदिति सिंह ने शो में करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर कुछ आरोप लगाए हैं।उनका दावा है कि रिश्ते के दौरान करण का उनके प्रति व्यवहार अच्छा नहीं था।इसके अलावा उन्होंने अपने पालतू कुत्ते को लेकर भी

आरोप लगाया कि उसके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया गया था।इन आरोपों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि,उदिति द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इन्हें उनके व्यक्तिगत दावों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।निजी रिश्तों से संबंधित विवादों में दोनों पक्षों की बात सामने आना महत्वपूर्ण होता है।

करण वाही ने आधिकारिक तोड़ी चुप्पी

उदिति सिंह के लगातार बयानों के बीच अब अभिनेता करण वाही ने भी अपने पुराने रिश्ते पर प्रतिक्रिया दी है। करण ने बताया कि वह इस रिश्ते को लेकर गंभीर थे और इसे शादी तक ले जाना चाहते थे।उनकी इस प्रतिक्रिया के बाद दोनों के संबंधों को लेकर चल रही चर्चाओं को नया मोड़ मिल गया है। करण के बयान से यह बात सामने आती है कि उनके अनुसार,रिश्ते के दौरान भविष्य को लेकर उनकी सोच गंभीर थी।हालांकि,उन्होंने रिश्ते के टूटने के पीछे किन परिस्थितियों को जिम्मेदार बताया और उदिति के आरोपों पर विस्तार से क्या जवाब दिया, इसकी पूरी जानकारी उपलब्ध विवरण में नहीं है।

बांबी देओल के टूटे दिल की आवाज बने थे कुमार सानू

के लिए गाया था, जिसे 31 साल पहले रिलीज किया गया था और अब भी ये श्रोताओं का पसंदीदा माना जाता है। कुमार सानू ने गाया बांबी देओल का सैड सॉन्गबतौर लीड रोल एक्टर बांबी देओल ने साल 1995 में आई फिल्म बरसात से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इस मूवी में उनके साथ अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया और सुपरस्टार राजेश खन्ना की बेटी टिंकल खन्ना ने भी अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। निदेशक राजकुमार संतोषी की रोमांटिक ड्रामा बरसात सफ़ल रही, जिसकी वजह इस मूवी का कालजयी सैड सॉन्ग- नहीं ये हो नहीं सकता...बना था। फिल्म बरसात के इस गीत को गायक कुमार सानू ने अपनी मधुर आवाज में गाया था। नहीं ये हो नहीं सकता... गाना फिल्म में उस वक्त दिखाया गया है,जब टीना (टिंकल खन्ना) बादल (बांबी देओल) से ये कहती है, वह उसे भूल जाए,क्योंकि उनके प्यार को माँजल

नहीं मिल सकती। इस स्थिति में बरसात का नहीं ये हो नहीं सकता...गाना दिखाया गया है, जो सानू दा की आवाज में आज भी अमर है। सबसे पॉपुलर सैड सॉन्स के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें बांबी देओल और टिंकल खन्ना का नहीं ये हो नहीं सकता...गाना जरूर शामिल होता है। मालूम हो कि कुमार सानू के सबसे शानदार गीतों में भी ये दर्द भरा गीत मौजूद रहता है।

गीतकार और संगीतकार का भी

रहा योगदान

गौर किया जाए बांबी देओल स्टारर फिल्म बरसात के नहीं ये हो नहीं सकता...की मैकिंग की तरफ तो कुमार सानू और साधना सराफ की गायिकी के अलावा इस गीत के खूबसूरत लिखिक्स लिखकर गीतकार समीर अनजान ने भी अहम योगदान दिया। इतना ही नहीं संगीतकार नदीम-श्रवण की जोड़ी ने मिलकर इसकी धुनों को तैयार कर इसे यादगार बनाया।

पुराने दिनों को याद कर बोले शाहरुख : गौरी को लेकर था जुनूनी पजेसिवनेस

शाहरुख खान और गौरी खान बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार शाहरुख खान ने खुद माना था कि अपने रिश्ते की शुरुआत में वे अपनी पत्नी को लेकर बहुत ज्यादा पोसेसिव (अधिकार जताने वाले) थे? जब शाहरुख और गौरी रेंडवू विद सिमी गरेवाल शो में पहुंचे,तो होस्ट और दिग्गज अभिनेत्री सिमी गरेवाल ने उनके रिश्ते के शुरुआती दिनों के बारे में बात की। खुद को एक पोसेसिव प्रेमी मानते हुए, शाहरुख ने कहा कि वे उस समय बिल्कुल

एक कुत्ते की तरह थे। उन्होंने आगे बताया कि वे अपनी गर्लफ्रेंड को न तो बाल खुले रखने देते थे और न ही सफेद शर्ट पहनने देते थे। देवदास अभिनेता ने कहा,मैं बहुत ज्यादा पोसेसिव था। मैं बिल्कुल एक कुत्ते की तरह था। मेरा बर्ताव बहुत ही भद्दा और बीमार मानसिकता वाला था जैसे कि अगर आप मेरी गर्लफ्रेंड होतीं, तो आपको बाल खुले रखने या सफेद शर्ट पहनने को इजाजत नहीं होती। अपने पति को इस बात की पुष्टि करते हुए,गौरी ने बताया कि उन्होंने शाहरुख को चेतावनी भी दी थी कि अगर वे नहीं बदले,तो वे उन्हें छोड़कर चली जाएंगी। गौरी ने कहा,उनका बर्ताव बहुत ही खराब और बीमार मानसिकता वाला था! उन्हें यह समझना पड़ा क्योंकि मैंने कह दिया था-ठीक है,बाय! अब मैं तुम्हें कभी नहीं देखूंगी। उनके प्यार के सफर की बात करें तो,1984 में दिल्ली में एक दोस्त की पार्टी में 18 साल के शाहरुख की मुलाकात 14 साल की गौरी से हुई थी। शुरुआत में शाहरुख उनके सामने काफी शर्मीले और नर्वस रहते थे,लेकिन धीरे-धीरे दोनों एक-दूसरे को जानने लगे। उनके रिश्ते में कई उतार-चढ़ाव आए,और एक समय ऐसा भी आया जब वे कुछ समय के लिए अलग हो गए थे। हालांकि,आखिरकार वे फिर से एक-दूसरे के पास लौट आए। कई मुश्किलों को पार करने के बाद,शाहरुख और गौरी ने 25 अक्टूबर 1991 को शादी कर ली। एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करते हुए,उनकी शादी में हिंदू रीति-रिवाजों के साथ-साथ निकाह की रस्म भी निभाई गई। शाहरुख और गौरी के तीन बच्चे हैं - आर्यन खान (जन्म 1997),सुधाना खान (जन्म 2000) और अबराय खान (जन्म 2013)।

खेल- समाचार

रोहित शर्मा की मैदान पर वापसी,न्यूजीलैंड दौरे के लिए तैयारी तेज

मुंबई ,25 अक्टूबर 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। 39 वर्षीय रोहित ने मुंबई में अभ्यास किया, ताकि न्यूजीलैंड दौरे पर वह अपनी शानदार फॉर्म को जारी रख सकें। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने वाले रोहित से आगामी मुकाबलों में भी बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। उन्होंने उस सीरीज में एक शतक लगाने के साथ अंतिम मैच में 92 रन की शानदार पारी खेली थी। रोहित शर्मा अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल वनडे प्रारूप में खेल रहे



हैं। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में

वनडे क्रिकेट में उनका प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण है। आगामी

न्यूजीलैंड सीरीज उनके लिए अपनी लय बनाए रखने और टीम के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देने का एक और मौका होगी।

न्यूजीलैंड दौरे से पहले मुंबई में अभ्यास

रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड रवाना होने से पहले मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मैदान पर अभ्यास किया। आगामी वनडे सीरीज को ध्यान में रखते हुए उनकी यह तैयारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अभ्यास सत्र से संकेत मिलता है कि अनुभवी बल्लेबाज आने वाली चुनौती के लिए खुद को तैयार रखने पर ध्यान दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार,रोहित अभ्यास

के दौरान मुंबई की टीम के खिलाड़ियों से भी मिले। मुंबई की टीम हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले की तैयारी कर रही है। हालांकि,रोहित का मुख्य लक्ष्य न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय वनडे सीरीज के लिए अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना है। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां भारतीय बल्लेबाजों के लिए अलग चुनौती पेश कर सकती हैं। वहां की पिचों पर उछाल और सीम मूवमेंट का सामना करने के लिए शुरुआत में धैर्य रखना जरूरी होता है। रोहित के अनुभव और उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को देखते हुए टीम को उनसे मजबूत शुरुआत की उम्मीद रहेगी।

केपटाउन टेस्ट से पहले फिट होकर वापसी करने को तैयार स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी

मेलबर्न,25 अक्टूबर 2026। ऑस्ट्रेलिया की टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन के मैदान पर खेले जाने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले अच्छी खबर मिली है, जिसमें उनके स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी कैमरून ग्रीन पूरी तरह से फिट होने के बाद चयन के लिए उपलब्ध हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जहां अभी वह तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है जिसमें दो मुकाबलों के बाद अभी सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। अब इस सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 27 अक्टूबर से केपटाउन के मैदान पर खेला जाएगा,जिसमें इस मैच से पहले कांगारू टीम को एक अच्छी खबर उनके स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी कैमरून ग्रीन को लेकर मिली है। ग्रीन इस टेस्ट सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में पूरी तरह से फिट नहीं होने की वजह से प्लेइंग 11 से बाहर थे, लेकिन अब वह तीसरे टेस्ट मैच से पहले पूरे तरह फिट हो गए हैं और चयन के लिए उपलब्ध हैं।

ग्रीन अपने बैटिंग ऑर्डर में



बदलाव के लिए हैं तैयार
साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए तीसरा टेस्ट मुकाबला काफी अहम है क्योंकि यदि उनको हार का सामना करना पड़ता है तो उस स्थिति में डबल्यूटीसी 2025-27 की व्वाइट्स टेबल में नंबर-1 की पोजीशन को भी गंवा सकती है। ऐसे में कैमरून ग्रीन के वापस आना उनके लिए एक अच्छी खबर माना जा सकता है। कैमरून ग्रीन ने अपने फिट होने को लेकर क्रिकइंफो



नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2026।

भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर के बल्ले से जिम्बाब्वे महिला टीम के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में शानदार शतकीय पारी देखने को मिली है, जिसके दम पर वह मिताली राज को पीछे छोड़ने में कामयाब रही। भारतीय महिला क्रिकेट टीम घर पर अभी जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है, जिसके दूसरे मुकाबले में टॉस जीतने के बाद कप्तान स्मृति मंधाना ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इस मैच में टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसमें 19 के स्कोर तक 2 विकेट गंवा दिए थे, यहां से बल्लेबाजी करने उतरी पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक छोर से पारी को न सिर्फ संभाला बल्कि शानदार शतकीय पारी भी खेली और इसके दम पर वह पूर्व कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ने के साथ अब महिला वनडे फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने

के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं।

अब सिर्फ स्मृति मंधाना से पीछे हैं हरमनप्रीत

जिम्बाब्वे महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे मैच में हरमनप्रीत कौर को बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला था, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने पूरी कसर निकाल दी और 101 गेंदों में अपने वनडे करियर का 8वां शतक जड़ दिया। हरमनप्रीत कौर के बल्ले से इस मुकाबले में 121 गेंदों में 15 चौके के दम पर 126 रनों की शानदार पारी देखने को मिली। हरमनप्रीत कौर अब महिला वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सिर्फ मौजूदा कप्तान स्मृति मंधाना से पीछे हैं,जो अब तक 14 शतकीय परियां खेल चुकी हैं।

हरमनप्रीत कौर शतक लगाने वाली बनी चौथी

उम्रदराज महिला खिलाड़ी

हरमनप्रीत कौर ने जब जिम्बाब्वे महिला टीम के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अपने शतक को पूरा किया तो वह महिला वनडे फॉर्मेट में शतक जड़ने वाली चौथी उम्रदराज खिलाड़ी बन गईं। हरमनप्रीत ने अपना 8वां वनडे शतक 37 साल 231 दिन की उम्र में लगाया। इस लिस्ट में पहले नंबर पर न्यूजीलैंड महिला टीम की खिलाड़ी बार्ब बेवेज का नाम है जिन्होंने साल 1982 में 39 साल 48 दिन की उम्र में वनडे फॉर्मेट में शतकीय पारी खेली थी।

ताइक्वांडो प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का आगाज

नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2026। भारत में ताइक्वांडो खेल को नई प्रेमचान दिलाने और खिलाड़ियों को

प्रतिस्पर्धा के बड़े मंच पर अवसर देने की दिशा में ताइक्वांडो प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का शुभारंभ हो गया है। रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के टॉरस सेरोवर पोर्टिको में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लीग के नए सीजन की औपचारिक शुरुआत की

गई। अब इस प्रतियोगिता का मुख्य आयोजन 4 से 6 दिसंबर तक हैदराबाद में होगा,जहां आठ टीमों तीन दिनों तक खिताब के मुक़ाबला करेंगी। लीग के आयोजकों का कहना है कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ताइक्वांडो को अधिक तेज़,रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक स्वरूप में प्रस्तुत करना है। टीम आधारित प्रारूप के जरिए खिलाड़ियों को अपनी व्यक्तिगत तकनीक के साथ-साथ रणनीति, तालमेल और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि इससे भारत में ताइक्वांडो की लोकप्रियता बढ़ेगी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा
रा.प्र.ऊ./अ- 20(11)/2025-26
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका विजय कुमार शर्मा आ0/पति रामगोपाल शर्मा जाति, निवासी भड्डापारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छगण० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-भड्डापारा अम्बिकापुर, शीट नम्बर-11 नगर अम्बिकापुर स्थित नज़ूल प्लॉट नम्बर 4501/3 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक /आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक26 06.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक: 22.10.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
(सील) नज़ूल अधिकारी ,अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन सूचना
मैं देवलाल राजवाडे पिता श्री बसंतराम, निवासी मैण्ड्रा खुर्द, तहसील अम्बिकापूर, जिला सरगुजा छ. ग.। यह कि मेरी पुत्री के नाम पर आधार कार्ड क्रमांक - 7592 3835 4668 जारी किया गया है, जिसमें पुत्री का नाम - आंनवल कुमारी दर्ज हो गया है, तथा पिता का नाम -देवलाल- दर्ज है, जबकि पुत्री का सही नाम- आंनवल राजवाडे है, जो उसके शैक्षणिक प्रपत्रों में अंकित है जो सही है। इसी प्रकार पिता का सही नाम - देवलाल राजवाडे है, जो मेरे आधार कार्ड में अंकित है, जो सही है। मेरे पुत्री के उक्त आधार कार्ड में उसका सही नाम आंनवल देवलाल राजवाडे दर्ज कराए जाने शपथपत्र प्रस्तुत किया है।
 सपथकर्ता देवलाल राजवाडे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अभनपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एवं सिद्धार्थ शंभू के साथ सुनी ‘मन की बात’ की 139वीं कड़ी

‘मन की बात’ देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम : सीएम साय

रायपुर,25 अक्टूबर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिले के अभनपुर स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एवं सिद्धार्थ शंभू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ की 139वीं कड़ी का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ‘मन की बात’ देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज,पर्यावरण,संस्कृति,नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। ऐसे प्रेरक उदाहरण देशवासियों में समाज और राष्ट्र के लिए कुछ नया करने का भाव जागृत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए



गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री ने ‘मन की बात’ की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति,जनजातीय परंपराओं,खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण,पोषण और नवाचार से जुड़े प्रयासों को प्रमुखता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम का उल्लेख

कर बस्तर की खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है। आज शांति,विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कोरिया जिले में जल संरक्षण के अभिनव ‘पांच प्रतिशत मॉडल’ की भी सराहना की है, जिसके तहत किसान अपनी भूमि के पांच प्रतिशत हिस्से में तालाब बनाकर वर्षा जल का संचय करते हैं। इससे सिंचाई के साथ भूजल संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

इसी प्रकार ऐतिहासिक मल्हार के ताम्रपत्रों और पोषण से जुड़े ‘हर घर मुनगा’ जैसे प्रयासों का उल्लेख छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘मन की बात’ की 139वीं कड़ी में कार्यक्रम की 12 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए देश के सामान्य नागरिकों के परिश्रम, सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने पंजाब में प्राकृतिक कपास की खेती और बुनकरी से महिला सशक्तिकरण, उत्तराखंड में हेवल नदी के पुनर्जीवन,स्थानीय उत्पादों की वैश्विक पहचान और खादी की बढ़ती

लोकप्रियता जैसे प्रेरक प्रयासों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्योहारों के अवसर पर स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को प्राथमिकता देने और ‘वोकल फॉर लोकल’ को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने ई-संजीवनी, आधुनिक अनुसंधान, युवाओं के डीप-टेक स्टार्टअप, श्रीअन्न की खेती और अंगनवाड़ी के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर ‘रन फॉर यूनिटी’ में सहभागिता,स्वच्छता और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमें अपने आसपास हो रहे सकारात्मक कार्यों से प्रेरणा लेने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देते हैं। ‘मन की बात’ ने स्वच्छता,पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन,नवाचार,सेवा और जनभागीदारी को जन-जन से जोड़ने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विकसित छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी,नवाचार और कर्तव्य के प्रति समर्पण आवश्यक है। इन्हीं सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ और देश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

डॉक्टर गहवई के निलंबन पर डॉक्टर्स फेडरेशन ने उठाया सवाल कहा...प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हुई तो निरस्त करें गहवई ने फैसले को हाईकोर्ट में दी है चुनौती

रायपुर,25 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन ने स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गहवई के निलंबन पर सवाल उठाए हैं। 21 अक्टूबर को जारी निलंबन आदेश का विरोध करते हुए फेडरेशन ने कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा की मांग की है। डॉ. गहवई ने स्वास्थ्य सेवा संचालनालय में एडिशनल डायरेक्टर जैसे चिकित्सकीय संवर्ग के पदों पर गैर-चिकित्सकीय अधिकारियों की पदस्थापना को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

निलंबन के आधारों की समीक्षा की मांग : फेडरेशन ने कहा कि,निलंबन आदेश में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम,1965 के नियम 3 और 22(क) के उल्लंघन का उल्लेख है। कार्रवाई के आधारों और परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि कार्रवाई प्रतिशोधात्मक या दुर्भावनापूर्ण पाई जाती है,तो निलंबन निरस्त किया जाए। CGDF ने कहा कि,न्यायालय की शरण लेने प्रत्येक चिकित्सक का अधिकार है। ऐसे में कार्रवाई की निष्पक्षता सुनिश्चित होनी चाहिए,ताकि चिकित्सक अपने वैधानिक अधिकारों के इस्तेमाल से हतोत्साहित न हों। फेडरेशन ने स्पष्ट किया कि वह उचित और नियमों के



तहत होने वाली विभागीय कार्रवाई के खिलाफ नहीं है। फेडरेशन ने स्वास्थ्य सेवा संचालनालय के साथ चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में भी चिकित्सकीय संवर्ग के लिए निर्धारित पदों पर गैर-चिकित्सकीय अधिकारियों की पदस्थापना का मुद्दा उठाया है। संगठन के मुताबिक,ऐसी नियुक्तियों से चिकित्सकों के संवर्गीय अधिकारों,वरिष्ठता और पदोन्नति के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असर पड़ने की आशंका है। सीजीडीपी ने शासन से मांग की है कि दोनों संचालनालयों में विवादित पदस्थापनाओं की लागू सेवा नियमों,संवर्गीय पात्रता और वरिष्ठता के आधार पर वैधानिक समीक्षा की जाए।

पूर्व मंत्री बोले-छत्तीसगढ़ में एसआईआर से 25 लाख वोटर कटे मोहम्मद अकबर ने फॉर्म-7 के जरिए नाम काटने की प्रक्रिया में जांच की मांग की...

रायपुर,25 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची से करीब 25 लाख नाम कम होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है। 2023 के बाद आबादी बढ़ने के बावजूद राज्य में मतदाताओं की संख्या कैसे घट गई? उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फॉर्म-7 के इस्तेमाल और इसके आधार पर नाम काटने की प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। मोहम्मद अकबर ने दस्तावेजों के आधार पर दावा किया कि राज्य में 2023 से अब तक 24 लाख 99 हजार मतदाता कम हुए हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को बताना चाहिए कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों में कितने मामले फॉर्म-7 के आधार पर थे और उनमें निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया या नहीं।

रायपुर में सबसे ज्यादा 31 हजार नाम कटे : अकबर के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में कुल 1 लाख 8 हजार 807 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। इनमें रायपुर में 31,028, कोरबा में 15,187,दुर्ग में



7,209, बलौद में 3,903, बलौदाबाजार-भाटापारा में 2,662 और कबीरधाम में 2,234 नाम शामिल हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से पूछा कि इन नामों में कितने फॉर्म-7 के आधार पर हटाए गए।

क्या आपति दर्ज कराने वाले लोगों के बयान लिए गए और जिन मतदाताओं के नाम काटने की मांग की गई, उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया?

गलत जानकारी देकर नाम कटवाने पर कार्रवाई का प्रावधान : मोहम्मद अकबर ने कहा कि फॉर्म-7 जखिल होने भर से किसी मतदाता का नाम सूची से नहीं कट जाता। आपति पर कार्रवाई से पहले संबंधित पक्षों को सुनना और अधिकारी का आपति की वैधता से संतुष्ट होना जरूरी है। उन्होंने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम,1950 की धारा 31 का हवाला देते हुए कहा कि जानबूझकर

गलत जानकारी या घोषणा देकर मतदाता सूची से नाम कटवाने की कोशिश करने पर एक साल तक की जेल,जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। अकबर ने आयोग से यह भी पूछा कि कितनी शिकायतें झूठी पाई गईं और ऐसे मामलों में कितने शिकायतकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई।

चुनावी जीत-हार के अंतर से की तुलना

कांग्रेस नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और भाजपा के बीच जीत-हार का अंतर 6 लाख 32 हजार वोटों का रहा, जबकि उनके दावे के मुताबिक, 2023 से अब तक मतदाताओं की संख्या में करीब 25 लाख की कमी आई है। उन्होंने इस अंतर को लेकर निर्वाचन आयोग से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। अकबर ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी हो। उन्होंने मांग की कि जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें दोबारा जोड़ा जाए और किसी भी पात्र मतदाता को वोट देने के अधिकार से वंचित न किया जाए।

छत्तीसगढ़ टैक्स टेक समिट 2026 : वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने की बार रूम की घोषणा

जीएसटी सुविधाओं के विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

दुर्ग,25 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल के तत्वावधान में और दुर्ग टैक्स बार एसोसिएशन की मेजबानी में आज, शनिवार 24 अक्टूबर 2026 को दुर्ग में ‘छत्तीसगढ़ टैक्स टेक समिट 2026’ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में कर प्रणाली, विशेषकर जीएसटी में तकनीकी प्रगति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीसैट (जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण) प्रिंसिपल बेंच, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. जरिस्टस (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त,जीसैट रायपुर बेंच के तकनीकी सदस्य सतीश कुमार अग्रवाल और वरिष्ठ अधिवक्ता एम.सी. जैन भी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासी थे।

समिट के दौरान सभी माननीय मंत्रियों और सम्मानित अतिथियों ने उपस्थित कर सलाहकारों और अधिवक्ताओं को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने समय के साथ जीएसटी सुविधाओं में हुए निरंतर विकास,तकनीकी प्रगति और कर प्रणाली के सलीकरण की दिशा में हो रही प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला।



कार्यक्रम के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव

छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष विवेक सारस्वत ने मंच से कर प्रशासन और शिक्षा के लिए कई दृढ़दर्शी सुझाव प्रस्तुत किए,जिनका सभी अतिथियों ने खुले मन से स्वागत किया और उन पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया:

बार रूम और ‘संवाद’ कार्यक्रम

वित्त मंत्री ओपी चौधरी को अधिवक्ताओं के लिए ‘बार रूम’ की स्थापना तथा करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए ‘संवाद’ (एडवाइजरी मीट) आयोजित करने का सुझाव दिया गया।

एआई चैटबॉट

जीसैट के अध्यक्ष डॉ. जरिस्टस संजय कुमार मिश्रा को जीसैट की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक उन्नत ‘एआई चैटबॉट’ सुविधा शुरू करने का सुझाव दिया गया।

जीएसटी और एआई पाठ्यक्रम

विधि मंत्री गजेंद्र यादव को एलएलबी पाठ्यक्रम में ‘जीएसटी और ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)’ के एक विस्तृत और व्यापक विषय को शामिल करने का महत्वपूर्ण सुझाव दिया गया। इन सुझावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आयोजक काउंसिल द्वारा की गई ‘बार रूम’ की मांग को मंच से ही सहर्ष स्वीकार कर लिया और इसके लिए अपनी आधिकारिक पुष्टि प्रदान की। इस घोषणा का उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। इससे पूर्व, कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। कार्यक्रम का कुशल संचालन एससी लेखवानी द्वारा किया गया। दुर्ग टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा और प्रदेश महासचिव गोपाल कृष्ण तावनिया ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। अतिथियों के उद्बोधन और सम्मान समारोह के पश्चात एक विशेष तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें हैदराबाद से पधारे मुख्य वक्ता सीए विजय श्रीनिवास कोटापल्ली ने नवीनतम कर प्रावधानों और तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और उपस्थित सदस्यों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन प्रदेश महासचिव गोपाल कृष्ण तावनिया द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद जापन के साथ हुआ।

सुहगा मिला शराब पिलाकर पार्षद और विलनिक संचालक की हत्या...10 लाख की उधारी से बचने रवी साजिश,आरोपी बोला-मैं खुद पीना चाहता था...

जांजगीर-चांपा,25 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में ग्रामीण ने शराब में सुहगा (बोरैक्स पाउडर) मिलाकर 2 लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में बसपा पार्षद रामखिलावन जांगड़े (55) और निजी विलनिक संचालक जोहितराम खरे (52) शामिल हैं। आरोपी राजा खरे ने जोहित खरे से 10 लाख रुपए उधार लिए थे। ट्रेडिंग में नुकसान होने के कारण वह पैसे लौटाने के दबाव में था। पुलिस के मुताबिक, राजा ने पूछताछ में बताया कि उधारी की रकम वापस मांगने से वह मानसिक रूप से परेशान था। इसी वजह से उसने जोहित की हत्या की योजना बनाई और उन्हें शराब में सुहगा मिलाकर पिला दिया। उस समय जोहित के साथ रामखिलावन जांगड़े भी थे,इसलिए उन्हें भी वही शराब पिलाई गई। दोनों की मौत हो गई। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र के पनगांव का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 23 अक्टूबर की शाम कुटुराबोड़ हेलीपैड के पास चखना दुकान में शराब पीने के बाद विलनिक संचालक जोहित खरे और पार्षद रामखिलावन जांगड़े की तबीयत बिगड़ गई।



26 अक्टूबर को एबीवीपी निकालेगी विद्यार्थी हुंकार रैली

सारे स्कूल ग्राउंड से महिला थाना चौक तक निकलेगी रैली,एसआईआर और संवैधानिक संस्थाओं के मुद्दे उठाएंगे

रायपुर,25 अक्टूबर 2026। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) रायपुर महानगर की ओर से 26 अक्टूबर को ‘अराजकता रोकें-लोकतंत्र अपनाओ’ अभियान के तहत विद्यार्थी हुंकार रैली निकाली जाएगी। रैली दोपहर 12:45 बजे सारे स्कूल कॉलोनी ग्राउंड से शुरू होकर महिला थाना चौक स्थित जनसंपर्क कार्यालय के सामने तक जाएगी। इसके बाद खुले मंच का आयोजन किया जाएगा। अभाविप के मुताबिक,रैली का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों,संवैधान के नियमों और शांतिपूर्ण विरोध के महत्व को बताना है। संगठन का कहना है कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन भ्रामक प्रचार, अपमानजनक भाषा और धमकी जैसी गतिविधियां लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं।

एसआईआर और संवैधानिक संस्थाओं के मुद्दे उठाएंगे : संगठन ने बताया कि रैली में



एसआईआर के नाम पर लोगों को भ्रमित करने के कथित प्रयास,संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति नकारात्मक माहौल बनाने जैसे मुद्दों का विरोध किया जाएगा। इसके साथ ही देश के हालात की तुलना बांग्लादेश और नेपाल से करने संबंधी बयानों पर

भी विरोध जताया जाएगा। रैली में अभाविप की पूर्व राष्ट्रीय मंत्री और वर्तमान केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य शालिनी वर्मा और प्रदेश मंत्री अनंत सोनी शामिल होंगे। रैली के बाद महिला थाना चौक पर खुले मंच में वक्ता लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मर्यादाओं और शांतिपूर्ण विरोध के महत्व पर अपने विचार रखेंगे।

बिलासपुर में रेलवे अफसर ने सेक्स करने डाला दबाव...महिला-कर्मचारी के विरोध करने पर नौकरी से निकालने दी धमकी

बिलासपुर,25 अक्टूबर 2026। बिलासपुर रेल मंडल के एक अफसर पर प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत महिला कर्मचारी के साथ यौन संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने का आरोप है। महिला कर्मी के विरोध करने पर उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है। महिला ने इस मामले की शिकायत रेल मंत्री,महिला आयोग और सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई है। जिस पर जिला महिला बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी को जांच के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल,अधिकारी रुखमेशा मीणा रेलवे के कंस्ट्रक्शन विभाग में पदस्थ हैं। उसके अंडर में एक महिला काम करती हैं। महिला का आरोप है कि संबंधित अधिकारी पद का गलत फायदा उठाते हुए अनैतिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा है। जब महिला ने उसकी हरकतों का विरोध किया,तब अधिकारी उसे नौकरी से निकालने की लगातार धमकियां दे रहा है। रेल अफसर के यौन प्रताड़ना की शिकायत महिला ने जब कड़ा विरोध किया तो उसे काम से हटाने का डर दिखाया जा रहा है।

